शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 188 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

शनिवार 03 अगस्त 2024

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक बनाए गए अमृत मोहन प्रसाद

नई दिल्ली

कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 1989 बैच के ओडिशा कैडर के आईपीएस अधिकारी अमृत मोहन प्रसाद को सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के विशेष महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अमृत मोहन प्रसाद, आईपीएस (ओडी:89) को सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने के गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्हें पदभार ग्रहण करने की तिथि से 31.08.2025 तक अर्थात उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, वेतन मैट्रिक्स के लेवल-16 में नियुक्त किया जाता है।

सबसे बाद में वायनाड पहुंचने वाले शख्स हैं राहुल।

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने ऊपर ईडी की कार्रवाई की जो आशंका जताई है, उसे भाजपा ने कोरी कल्पना करार दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि दो बार वायनाड से सांसद चुने गए राहुल वहां ऐसी भयंकर त्रासदी के बाद पहुंचने वाले अंतिम व्यक्ति थे। चूंकि जनता इस पर प्रश्न पूछ रही थी तो ध्यान भटकाने के लिए रात दो बजे उन्होंने ईडी की कल्पना कर ली या फिर सपना आ गया। चंद्रशेखर ने यूनाइटेड नेशन की जनरल असेंबली में की गई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की सराहना के बिंदु भी विस्तार से साझा किए। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वायनाड में हादसे के बाद से लोग पूछ रहे थे कि स्थानीय सांसद और आइएनडीआइए की सहयोगी राज्य सरकार की जिम्मेदारी और भूमिका क्या है।

नैरेटिव गढ़ा ताकि लोग वायनाड के बारे में न पूछें

चंद्रशेखर ने तंज किसा कि राहुल को रात दो बजे किसी ने बोल दिया होगा कि लोग ऐसे सवाल पूछ रहे हैं। किसी तरह से इसे रोका जाए, नया नैरेटिव गढ़ा जाए, ताकि लोग वायनाड के बारे में न पूछें। लगता है कि कांग्रेस की यह रणनीति है कि जब उनसे प्रश्न पूछे जाते हैं तो उससे बचने के प्रयास में झूठ बोलते हैं।

'हम कृष्ण को करते हैं याद, उनको भाते हैं शकुनि'

राज्यसभा में शिवराज की कांग्रेस को खरी-खरी

कांग्रेस को क्यों याद आते अधर्म से जुड़े चक्रव्यूह, चौसर और शकुनि: शिवराज सिंह चौहान

एमएसपी कानून का मुद्दा उठाए जाने पर विपक्ष को जवाब- सरकार में थे, तब क्यों नहीं किया काम

नई दिल्ली

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के अनुदानों पर चर्चा का जवाब देते हुए राज्यसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को आड़े हाथों ले लिया। मोदी सरकार की बीते दस वर्षों की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि किसान हमारे लिए वोट बैंक नहीं, भगवान है।

वहीं, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर यूपीए सरकार तक के कार्यकाल के संदर्भों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के डीएनए में ही किसान विरोध है। राज्यसभा में अपने मंत्रालय के अनुदानों पर चर्चा का शुक्रवार को उत्तर देते हुए शिवराज ने कहा- 'मैं सीधे-सीधे अपनी बात कहना चाहता था, लेकिन कांग्रेस सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने जब चर्चा की शुरूआत की तो छेड़ दिया। हम किसी को छेड़ते नहीं और कोई छेड़ दे तो छोड़ते नहीं।' सुरजेवाला को शकुनि याद आए। चौसर, चक्रव्यूह और इन सारे शब्दों का संबंध है अधर्म से। शकुनि छल, धोखे और कपट के प्रतीक थे। चक्रव्यूह मतलब घेरकर मारना। कांग्रेस को क्यों चक्रव्यूह और चौसर याद आते हैं। हम तो महाभारत काल में जाते हैं तो भगवान कृष्ण याद आते हैं। अनीति, अधर्म और ठगी किसने की? कांग्रेस के डीएनए में ही किसान विरोध है।- शिवराज सिंह चौहान

शिवराज ने कहा कि यह आज से नहीं है। प्रारंभ से ही कांग्रेस की प्राथमिकताएं गलत रही हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू रूस गए और वहां का मॉडल देखकर आए तो बोले कि इसे लागू करो। भारत रत्न चौधरी चरण सिंह ने मना कर दिया। कहा कि भारत की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं।

'कांग्रेस ने किसानों के साथ धोखा किया'

कांग्रेस द्वारा एमएसपी कानून को मुद्दा बनाए जाने पर कहा कि हाथी के दांत दिखाने के अलग और खाने के अलग होते हैं। कांग्रेस सत्ता में थी, तब स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों पर काम क्यों नहीं किया। इस पर भी मोदी सरकार ने ही काम किया। पीएम मोदी ने जो किसान फसल बीमा योजना शुरू की, उसका अध्ययन करने के लिए दूसरे देशों के विशेषज्ञ आ रहे हैं।

कांग्रेस के डीएनए में है किसान विरोध: शिवराज सिंह चौहान

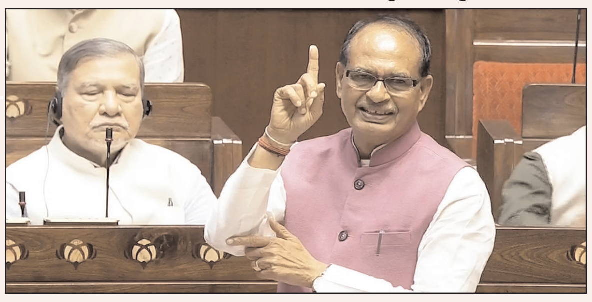

नेहरू ने 17 वर्ष तक प्रधानमंत्री के पद को सुशोभित किया और अमेरिका का सड़ा हुआ लाल गेहूं भारत को खाने पर मजबूर किया।

कृषि मंत्री ने यूपीए शासनकाल का किया उल्लेख

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय किसानों से जबरन लेवी वसूली जाती थी। रखा हुआ अनाज उठा लिया जाता था। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी एग्रीकल्चर प्राइस पालिसी की बात जरूर की, लेकिन किसानों की आय बढ़ाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। फिर उदारीकरण का आरंभ हुआ, पीवी नरसिम्हा पीएम और मनमोहन सिंह वित्त मंत्री थे, लेकिन उस समय भी कृषि से जुड़े उद्योगों की डीलाइसेंसिंग नहीं की गई।

कृषि मंत्री ने यूपीए शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि 2004 से 2014 तक की क्या बात करें। उस समय भारत घोटालों के देश के रूप में जाना गया। तब भारत के राजनीतिक क्षितिज पर नरेन्द्र मोदी के रूप में एक दैदीप्यमान सूर्य का उदय हुआ, जिन्होंने सारे देश को आशा से भर दिया।

किसान फसल बीमा पर क्या बोले कृषि मंत्री?

कांग्रेस द्वारा किसान फसल बीमा पर प्रश्न खड़े किए जाने पर कहा कि कांग्रेस के समय फसल बीमा योजना की यूनिट तहसील थी, मतलब एक गांव की फसल खराब हो जाए तो मतलब किसान प्रार्थना करें कि सारे तहसील की फसल खराब हो जाए, जबकि पीएम मोदी ने जो किसान फसल बीमा योजना शुरू की, उसका अध्ययन करने के लिए दूसरे देशों के विशेषज्ञ आ रहे हैं।

पांच साल में 100 से अधिक वंदे भारत की मिली सौगात

नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा को बताया कि पिछले पांच सालों (2019-2024) में भारतीय रेलवे ने 100 वंदे भारत ट्रेनों समेत 772 ट्रेनें शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि नई वंदे भारत ट्रेनें किसी ट्रेन की जगह पर नहीं शुरू की गई हैं। यानी इसे शुरू करते हुए किसी मौजूदा ट्रेन को बंद नहीं किया गया है।

सभी श्रेणी के यात्रियों की जरूरतों का रखा गया ध्यान: रेल मंत्री

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को भाजपा सदस्य नीरज शेखर के सवाल के जवाब में बताया कि इन पांच सालों में सभी श्रेणी के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न श्रेणियों में नई ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। रेलवे ने नई एक्सप्रेस ट्रेन, सुपरफास्ट ट्रेनों, पैसेंजर, मेमो/डेमो ट्रेनों और उपनगरीय ट्रेनों का संचालन शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि 102 वंदे भारत ट्रेनें सफलतापूर्वक चल रही हैं। सभी सुपरफास्ट ट्रेनें जैसे राजधानी, शताब्दी भी चलती रहेंगीं। दिल्ली-मुंबई खंड में 31 जोड़ी मेल व एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं।

सरकार गड़बड़ी मुक्त परीक्षा कराने को लेकर प्रतिबद्ध: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली

नीट-यूजी पर सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए विस्तृत फैसले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुशी जताई है और कहा कि यह सत्य की जीत है। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा को गड़बड़ी मुक्त और पारदर्शिता के साथ कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। कोर्ट ने इसे लेकर जो भी निर्देश दिए है, उसका वह अक्षरशः पालन करेंगे।

कमेटी की सिफारिशों को करेंगे लागू

उन्होंने कहा कि साथ ही परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने और एनटीए में सुधार के लिए गठित कमेटी की जो

सिफारिशें होगी, वह उन्हें जल्द से जल्द लागू भी करेंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट का यह निष्कर्ष परीक्षा को लेकर फैलाए गए झूठ और दुष्प्रचार को सिरे से खारिज करता है। साथ ही उन लाखों मेहनती छात्रों के हितों का रक्षा करने वाला भी है।

कोर्ट के फैसले पर क्या बोले केंद्रीय शिक्षा मंत्री?

उन्होंने नीट पर सुनाए गए कोर्ट फैसले का तहे दिल से धन्यवाद किया और कहा कि इससे लाखों छात्रों की मेहनत पर पानी फेरने की कोशिश टल गई। गौरतलब है कि सरकार ने परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों को रोकने और एनटीए में सुधार के लिए एक 24 जून को ही एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की थी। जिसे सरकार ने दो महीने में अपनी रिपोर्ट देने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी पर वैसे तो 23 जुलाई को अपना फैसला सुना दिया था। जिसमें यह साफ किया था कि परीक्षा में किसी तरह की प्रणालीगत चूक नहीं हुई थी।

देश को जल्द मिलेंगे 8 हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर

कैबिनेट से मुहर के बाद पीएम मोदी ने गिनाए इसके फायदे

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा फैसला हुआ है। कैबिनेट ने 50,655 करोड़ रुपये की लागत से 936 किलोमीटर लंबी आठ महत्वपूर्ण नेशनल हाई स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

कैबिनेट के फैसले का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर कहा, 'भारत के बुनियादी ढांचे में परिवर्तनकारी बढ़ावा! नेशनल हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी से हमारे आर्थिक विकास पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा साथ ही रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।'

इन शहरों को होगा फायदा

देश के अलग-अलग कोनों में बनने जा रही इन सड़कों से न सिर्फ लोगों के समय के बचत होगी बल्कि कई शहरों की दूरी भी घट जाएगी। साथ ही ये ईंधन की बचत करने में भी मदद देंगे। इन नए कॉरिडोर से कानपुर-लखनऊ, अयोध्या, आगरा-ग्वालियर, खड़गपुर-मोरेग्राम, रायपुर-रांची, अहमदाबाद, पुणे, नाशिक, अयोध्या और गुवाहाटी को फायदा पहुंचेगा।

देश में कोविड रोधी वैक्सीन के 220.68 करोड़ डोज बिना शुल्क लिए लगाए गए

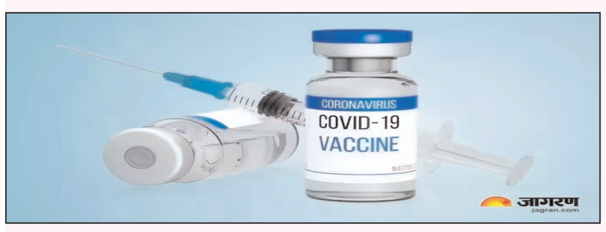

भारत ने 99 देशों और संयुक्त राष्ट्र के दो संगठनों को 3012.465 लाख डोज भेजे

नई दिल्ली

देश की 130 करोड़ से अधिक की आबादी को जानलेवा वैश्विक महामारी कोविड-19 से सुरक्षित रखने में केंद्र सरकार के कोविड वैक्सीन कार्यक्रम का विशेष योगदान रहा है। इस साल 29 जुलाई तक सरकार ने लोगों को कोविड रोधक वैक्सीन के 220.68 करोड़ डोज बिना कोई शुल्क लिए लगाए गए हैं। इस वैक्सीन अभियान की निशुल्क आपूर्ति पर सरकार ने अब तक 36,397.65 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत भारत सरकार ने 99 देशों और संयुक्त राष्ट्र के दो संगठनों को भी कुल 3012.465 लाख डोज भेजे हैं। देश में विभिन्न राज्यों में कोविड वैक्सीन का वितरण राज्य प्रशासन के अनुरूप था। एजेंसियों को वितरण के लिए 533.3 करोड़ रुपये डीबीटी व बिराक को दिए गए थे। उन्होंने कहा कि कोविड सुरक्षा मिशन के तहत 158.4 करोड़ रुपये दिए गए थे। इसी तरह सरकार ने कोवैक्सीन का पेटेंट याचिका का हवाला देते हुए बताया कि इसकी निमार्ता कंपनी भारत बायोटेक ने पेटेंट आवेदन में सह-खोजकर्ता के रूप में आईसीएमआर और एनआईवी का नाम नहीं दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि भारत निर्मित कोवैक्सीन को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि. ने संयुक्त रूप से बनाया है।

ट्रांसजेंडर, समलैंगिक और यौनकर्मी क्यों नहीं कर सकते रक्तदान? केंद्र को सुप्रीम नोटिस जारी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें ट्रांसजेंडर, समलैंगिक और यौनकर्मियों को रक्तदान करने से रोकने वाले दिशानिर्देशों को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद को नोटिस जारी किए।

सुप्रीम कोर्ट में दी गई थी चुनौती

शीर्ष अदालत कार्यकर्ता शरीफ डी रंगनेकर द्वारा 2017 के दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली

याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिशानिर्देश में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों (एमएसएम) और महिला यौनकर्मियों को रक्तदाता बनने से बाहर रखा गया है। वर्ष 2017 के दिशानिर्देश एचआईवी और हेपेटाइटिस संक्रमण या ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इंफेक्शन (टीटीआई) के जोखिम के कारण इन्हें रक्तदाता बनने से स्थायी रूप से रोकते हैं।

दायर याचिका में क्या कहा गया?

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका कार्यकर्ता शरीफ डी रंगनेकर ने दाखिल की हुई है।

भारत में बढ़ने वाला है चीतों का कुनबा,

नई दिल्ली

देश में इस साल अक्टूबर-नवंबर तक आने वाली चीतों की खेप को लेकर राज्यों की दावेदारी सामने आने लगी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान के बाद अब गुजरात ने भी चीतों को बसाने को लेकर रुचि दिखाई है। साथ ही उन्हें रखने के लिए घास के मैदानों से घिरे कच्छ के रन स्थित बन्नी अभयारण्य में उससे जुड़ी जरूरी तैयारियां तेज कर दी है, जिसमें घेराबंदी सहित बाड़े (इनक्लोजर) आदि का निर्माण शामिल है। माना जा रहा है कि यदि चीतों की नई खेप आने तक गुजरात अपनी तैयारियों को चाकचौबंद कर लेता है तो संभव है कि चीतों की आने वाले नई खेप में से कुछ चीते उसे भी दे दिए जाए। चीता प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल अब तक जो प्रस्तावित योजना है, उसके तहत चीतों की आने वाले नई खेप को मध्य प्रदेश के गांधी सागर या फिर नौरादेही अभयारण्यों में रखा जाना है, जहां इससे जुड़ी तैयारियां लगभग पूरी है।

आठ सूत्रीय सुरक्षा मैट्रिक्स से होगा आतंक पर सटीक प्रहार

सैन्य कर्मियों को निशाना बनाने की आतंकियों की रणनीति को नाकाम बनाएगी नई सुरक्षा रणनीति

जम्मू संभाग के पहाड़ी क्षेत्रों में छिपे आतंकियों पर दबाव बनाया जाएगा, अब छिपना होगा मुश्किल

आतंकी हमलों में सैन्यकर्मियों के बलिदान होने के मामलों में वृद्धि चिंता का विषय है। यही कारण है कि जम्मू संभाग में नए सिरे से सुरक्षा आडिट करने के बाद अब आतंक की चुनौती से निपटने के लिए नई रणनीति अपनाई जा रही

जम्मू

जम्मू-कश्मीर में देश विरोधी तत्वों के मंसूबों को नाकाम बनाने के लिए आठ सूत्रीय सुरक्षा मैट्रिक्स से आतंक पर सटीक प्रहार किया जाएगा। कश्मीर के साथ अब जम्मू संभाग में भी आतंकियों पर दबाव बनाया जाएगा। जम्मू में नागरिकों, सैन्य कर्मियों को निशाने बनाने की आतंकी रणनीति को नाकाम बनाने के लिए एक नया सुरक्षा मैट्रिक्स तैयार किया गया है। इसके तहत घात लगाने की तैयारी कर रहे आतंकियों से दो कदम आगे रहते हुए उन्हें वारदात को अंजाम देने से पहले ही मार गिराया जाएगा।

आतंक की चुनौती से निपटने के लिए नई रणनीति अपनाई जा रही

जम्मू-कश्मीर में आतंकी अब पीर पंजाल के दक्षिणी इलाकों में अपने पैर जमाने की फिराक में हैं। इस इलाके में आतंकी तंत्र काफी समय से निष्क्रिय था।

आतंकी हमलों में सैन्यकर्मियों के बलिदान होने के मामलों में वृद्धि चिंता का विषय है। यही कारण है कि जम्मू संभाग में नए सिरे से सुरक्षा आडिट करने के बाद अब आतंक की चुनौती से निपटने के लिए नई रणनीति अपनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी की बैठक के बाद सुरक्षा की नए सिरे से समीक्षा कर बेहतर ग्रिड तैयार करने की दिशा में काम तेज हो गया है। आतंक पर त्वरित प्रहार करने के लिए तैयार किए गए आठ सूत्रीय सुरक्षा मैट्रिक्स का मुख्य लक्ष्य घुसपैठ पर पूरी तरह से अंकुश लगाना होगा।

पेट्रोल डालकर मां-बेटी को मारने के मामले में सराय इनायत पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस ने आरोपी को घर से गिरफ्तार कर भेजा जेल,भांजे ने ही मामी के साथ दिया आपराधिक अंजाम

अखंड भारत संदेश

सहसों। चकिया घरहरा गांव में एक महिला और उसकी बेटी के ऊपर पेट्रोल डालकर जलाने वाली घटना का सराय इनायत पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। सराय इनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत चकिया घरहरा गांव में सोमवार की आधी रात रानी देवी (38) पत्नी राजेश भारतीय एवं पुत्री मेंनका (4) को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पेट्रोल डालकर जलाने व जान से मारने की कोशिश की गई थी। मामले में ससुर रामकृपाल की तहरीर पर पुलिस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच व छानबीन कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता रानी देवी का मोबाइल लेकर उसका सीडीआर निकलवाया तो पता चला कि थाना क्षेत्र के लीलापुर गांव निवासी शिव शंकर भारतीया (23) पुत्र देवी शंकर से फोन पर कई बार बात हुई है। इसके आधार पर सराय इनायत पुलिस ने शुक्रवार को उसके घर पहुंच कर घेराबंदी करके आरोपी युवक को धर दबोचा। घटना के विवेचना अधिकारी व सहसों पुलिस चौकी प्रभारी शिव प्रताप सिंह के अनुसार आरोपी से पूछताछ के दौरान शिव शंकर भारतीया ने बताया कि काफी दिनों से मामी से उसके अच्छे संबंध थे। उसकी व मामी रानी देवी से फोन पर अधिकतर बात होती थी। इस बीच कुछ दिनों से मामी नाराज चल रही थी। जिसको वह बर्दाश्त नहीं कर पाया और वह दीवानगी भरे झल्लाहट में आधी रात के समय चकिया घरहरा गांव स्थित ननिहाल पहुंचकर जान से मार देने की जद में आकर मामी रानी देवी के ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दिया।

चांदपुर सराय भारत में 200 पौधों का रोपण, हरियाली के प्रति अनूठी पहल

सोरांव। होलागढ़ ब्लॉक स्थित चांदपुर सराय भारत गांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के अंतर्गत, रेलवे बरेका वाराणसी से सेवानिवृत कर्मचारी शिवा नंद द्विवेदी ने अपने पैतृक निवास स्थल चांदपुर सराय भारत में शुक्रवार को 200 पौधों का रोपण किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गांव के प्रधान, रामखेलावन पटेल सहित ग्रामीणों ने भी हिस्सा लिया ग्राम प्रधान के कर कमलों द्वारा पौधा रोपण संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण आयोजन में रिवॉल्यूशनरी फाउंडेशन की टीम का भी सहयोग रहा।इसके साथ ही शिवा नंद द्विवेदी ने 150 पौधों का अनुदान भी देकर एक मिशाल कायम किए। पौधा रोपण से गांव में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल की गांव में सभी ने सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। द्विवेदी ने हर साल 100 नए पौधे अगले 5 साल तक लगाने का भी संकल्प लिया है।

एक ही रात दो विद्यालयों का ताला तोड़कर चोरी उठा ले गए सामान

विद्यालय में चोरी को लेकर मौके पर पहुंच जांच पड़ताल करती पुलिस।

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के विकासखंड संसाधन केंद्र बहरिया अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय कल्यानपुर में चोरों ने गुरुवार की रात ताला तोड़कर अंदर रखा हुआ सारा सामान उठा ले गए। शुक्रवार सुबह शिक्षकों के पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। रसोई घर में लगा लोहे का दरवाजा काटकर पीछे से लगा इंटरलॉक ताला को भी तोड़ दिया। कमरे के अंदर रखा हुआ एक गैस सिलेंडर, एक बड़ा भगोना, 40 किलो गेहूं और 35 किलो चावल उठा लें गए। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा पीआरबी पुलिस को जानकारी देने के बाद थरवई पुलिस को लिखित तहरीर दे दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं दूसरी तरफ थोड़ी ही दूर पर स्थित प्राथमिक विद्यालय कुभौना का भी ताला तोड़कर रसोई घर में रखा हुआ एक गैस सिलेंडर, भगोना, बच्चों के खाने व पीने की थाली व गिलास, पचास किलो चावल और पच्चीस किलो गेहूं उठा ले गए। कार्यालय में रखे हुए कई अभिलेख को भी इधर-उधर फेंक दिए हैं। मामले की लिखित जानकारी पुलिस को दिया गया है। मालूम हो कि इसके पहले भी इन दोनों विद्यालयों में चोरी की घटना घट चुकी है। क्षेत्र में आए दिन चोर सरकारी विद्यालयों व ग्राम पंचायत भवन को निशाना बनाकर चोरी का अंजाम दे रहे हैं। पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने से चोर निडर होकर बुलंद हौंसले के साथ सरकारी संस्थाओं का ताला तोड़कर आसानी से सामान उठा ले जा रहे हैं।

वैन की टक्कर से दो युवकों की मौत परिजनों ने दर्ज कराया मुकदमा

मऊआइमा। मऊआइमा के ग्रामसभा बोमापुर के दीनापुर उर्फ भदरपुर के सामने गुरुवार को शाम के समय स्कूल के वैन से बाइक की टक्कर से सादाब अहमद 24 वर्ष पुत्र निसार अहमद ग्राम शाहजी की तकिया जुगनीहडीह की सीएचसी बहरिया में ले जाते समय मौत हो गई थी जबकि साथी अरविन्द उर्फ अमरेंद्र कुमार 24 वर्ष राकेश कुमार की स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान मौत हो गई थी। गुरूवार को देर रात मृतक अरविन्द के नाना ने वैन चालक नाम पता अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है।जिसमें मृतक सादाब की मौत का भी जिक्र है। फिलहाल पुलिस वैन को अभी तक बरामद नहीं कर सकी है।

दो बाइकों में आमने सामने टक्कर में एक की हालत नाजुक

मऊआइमा। दो बाइकों में आमने सामने टक्कर हो जाने से एक बाइक सवार की हालत नाजुक है।जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम ओसान का पूरा कल्याणपुर निवासी कमलेश कुमार 32 वर्ष पुत्र शिवराम गुरूवार को देर रात घर जा रहा था। बताया गया है कि हरखपुर वन विभाग के निकट दो बाइकों के बीच टक्कर हो जाने से कमलेश कुमार की हालत नाजुक बनी हुई है।जिसे पहले सीएचसी मऊआइमा ले जाया गया।फिर परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि दूसरा बाइक सवार बाइक सहित भागने में सफल रहा है।

बच्चेदानी से निकला दो किलो का ट्यूमर

रीवा की रहने वाली मंजू देवी का सीएचसी शंकरगढ़ में किया गया सफल आपरेशन

शंकरगढ़। समीपवर्ती राज्य मध्य प्रदेश के रीवा की रहने वाली मंजू देवी हाल के दिनों में असहनीय पेट दर्द का सामना कर रही थीं। रीवा के गढ़ी की रहने वाली 48 वर्षीय मंजू देवी पत्नी रामअचल ने स्थानीय स्तर पर कई जगह इलाज करवाया पर कोई फायदा नहीं हुआ। आराम नहीं मिलने पर उन्होंने उत्तर प्रदेश का रुख किया और समीपवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ में स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. रीता सिंह से परामर्श लिया। डा. रीता सिंह के द्वारा की गई जांच के उपरांत पता चला कि मंजू देवी गर्भाशय में बड़े आकार के ट्यूमर की वजह से असहनीय पीड़ा का सामना कर रही हैं। बीमारी का पता चलने पर मंजू देवी ने सीएचसी शंकरगढ़ में ही आपरेशन करवाया। डा. रीता सिंह ने चिकित्सकीय टीम के साथ आपरेशन किया और गर्भाशय से ट्यूमर निकाला, जिसका वजन दो किलो है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. रीता सिंह ने बताया कि महिला कई सप्ताह से पेट एवं कमर में दर्द व अनियमित रक्तस्राव से पीड़ित थी। अल्ट्रासाउंड से ट्यूमर का पता लगने पर मात्र ऑपरेशन ही सुरक्षित विकल्प था। परिवार को इसकी जानकारी दी गई और अनुमति पर आपरेशन किया गया। डा. रीता सिंह ने बताया कि इस आकार एवं वजन के ट्यूमर सामान्य रूप से कम पाए जाते हैं। इनका ऑपरेशन भी जटिल प्रक्रिया से किया जाता है। उन्होंने बताया कि जब से सीएचसी शंकरगढ़ में महिलाओं से संबंधित ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध हुई है, यहां पर समीपवर्ती जनपद चित्रकूट, रीवा आदि से भी महिलाएं इलाज के लिए आ रही हैं।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने नैनी में किया वृहद वृक्षारोपण

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने नैनी स्थित हिन्द एलीवेटर फैक्ट्री के नजदीक वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष शशांक जैन ने बताया कि रोटरी तरु छाया प्रोजेक्ट के अंतर्गत यह रोटरी वर्ष 2024-25 का दूसरा वृक्षारोपण कार्यक्रम था, जिसमें सैकड़ों पौधे रोपित किए गए। पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड की व्यवस्था भी की गई है। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने जानकारी दी कि 9 जुलाई को रोटरी प्लैटिनम उद्यान का उद्घाटन कंपनी बाग, प्रयागराज में डिस्ट्रिक गवर्नर पारितोष बजाज द्वारा किया गया था। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तुलसी दास शर्मा (आईएफएस) ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर चार्टर अध्यक्ष रितेश सिंह, पूर्व अध्यक्ष पियुष रंजन अग्रवाल, भावी अध्यक्ष डॉक्टर प्रतीक पांडेय, रोटेरियन जय कुमार, अजय शर्मा, प्रमेय मित्तल, विकास भटनागर, सन्दीप कात्याल, सन्दीप जैन एवं अन्य रोटेरियन सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आयोजक रोटेरियन अजय कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शंकरगढ़ के पटेल नगर में कुछ लोगो ने किसान को पीटकर किया लहूलुहान

प्रयागराज,शंकरगढ़। नगर पंचायत के पटेल नगर मुहल्ले के आधा दर्जन लोगों ने वहाँ से गुजर रहे किसान पर जानलेवा हमला कर उन्हें बुरी तरह मारा पीटा। आस पास के लोगो ने लहूलुहान हालत में किसान को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में इलाज हेतु भर्ती कराया। इस घटना से किसानों में आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की। थाना क्षेत्र के करियाकला गांव निवासी ओम प्रकाश सिंह 39 वर्ष पुत्र स्व. देवनारायण सिंह जो शंकरगढ़ में किसी काम से आये हुए थे और नगर पंचायत के पटेल नगर मुहल्ले से अपनी बाइक से गुजर रहे थे। तभी उन्हें लगभग आधा दर्जन लोगों ने रोक लिया और उनके ऊपर जानलेवा हमला कर उन्हें बुरी तरह मार पीटकर घायल कर दिया। जिससे वह लहूलुहान हो गए। उन्हें लहूलुहान हालत में आसपास के लोगो ने स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर भर्ती कराया। जहां उनकी हालत गंभीर बताई जाती है। इस घटना से किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

मानस वाटिका में विहिप के कृष्ण गोपाल को दी गई श्रद्धांजलि

मेजा। मेजारोड पांती गांव के समीप स्थित मानस वाटिका में विश्व हिंदू परिषद के यमुनापार्र्जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में विहिप के पदाधिकारी रहे कृष्ण गोपाल जायसवाल को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पांती स्थित मानस वाटिका में विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रांत जिला यमुनापार के तत्वावधान में यमुनापार जिलाध्यक्ष ईंजी नित्यानंद उपाध्याय के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी रहे कृष्ण गोपाल जायसवाल को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान दो मिनट मौन रखा गया और ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री अंशुमान, पदाधिकारी रवि तिवारी सहित यमुनापार एवं प्रयाग विभाग के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सर्राफा कारोबारियों का उत्पीड़न करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा : नन्दी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी शुक्रवार को करछना के कौवा बाजार में उत्तर प्रदेश स्वर्णकार समाज एसोसिएशन एवं ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित महासम्मेलन में सम्मिलित हुए। जिसमें मंत्री नन्दी ने सरार्फा कारोबारियों से एकजुट होने की अपील की। वहीं सरार्फा कारोबारियों का उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। सरार्फा कारोबारियों व ज्वैलर्स ने मंत्री नन्दी ने अपने कारोबार के संरक्षण से सम्बंधित ज्ञापन मंत्री नन्दी को सौंपा। जिसको लेकर मंत्री नन्दी ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराकर पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा। स्वर्णकार समाज एवं ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित महा सम्मेलन में मंत्री नन्दी ने कहा कि संघे शक्ति कलियुगे अर्थात कलियुग में संगठन शक्ति ही प्रधान है। संगठन को मजबूत करके अपनी आवाज उठाते हैं तो आवाज को गम्भीरता के साथ ही सरकार और सरकार के प्रतिनिधि सुनते हैं। समस्याओं का निस्तारण करते हैं। इसलिए सभी सरार्फा कारोबारियों और स्वर्णकार समाज के लोगों से अपील है कि एकजुट रहें और हर समस्या का मजबूती के साथ सामना करें।

बोल बम के जयकारे के साथ जंघई से बैद्यनाथ धाम प्रस्थान

अखंड भारत संदेश

जंघई। पवित्र सावन मास के शिवरात्रि के दिन शुक्रवार को जंघई से कांवरियों का दल बाबा वैद्यनाथ धाम में दर्शन जलाभिषेक के लिए गाजे बाजे ढोल नगाड़ों के साथ प्रस्थान किया। आस्था एवं श्रद्धा के सावन महिने में कावरियों द्वारा सर्व प्रथम सुल्तानगंज से गंगा स्नान के बाद बाबा का जलाभिषेक करने के लिए कांवर उठाकर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर दर्शन करेंगे। बाबा बासुकीनाथ राजगीर में दर्शन पूजन करने के पश्चात, वापसी में बाबा विश्वनाथ वाराणसी में जलाभिषेक करके घर आयेंगे। विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ पूजन करते हुए हर हर महादेव के गगनभेदी नारों के साथ बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए भगवामय कांवरिया काफी उत्साह व जोश के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम प्रस्थान किया। कांवरियों में मुन्ना सिंह, राजीव सिंह, बबलू यादव, प्रशांत शुक्ल, निराले उपाध्याय, अमर बहादुर पाल आदि लोग शामिल रहे।

चनेथू के कांवरियों ने कुंदौरा महादेव को किया जलाभिषेक

जंघई। महादेव का पूजन अर्चन तो प्रतिदिन भक्तों द्वारा किया जाता है लेकिन इस समय सावन माह में पूरा देश शिव भक्ति में लीन है घरों एवं मंदिरों में शिव भक्तों द्वारा पूजा अर्चना जलाभिषेक का क्रम अनवरत चल रहा है। इसी क्रम में चनेथू पाही कांवरिया बंधु घर गांव के बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर प्रयागराज के लिए निकले और दशाश्वमेध घाट पर पहुंच कर गंगा स्नान पूजन अर्चन करते हुए कांवर लेकर कुंदौरा महादेव धाम के लिए प्रस्थान किया और सावन शिवरात्रि तेरस की पुण्य बेला में कुंदौरा महादेव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कांवरियों में अजय शुक्ला, गौरव शुक्ल, अंबुज शुक्ल, दीपक शुक्ल, राज शुक्ल, महेश त्रिपाठी आदि लोग शामिल रहे।

वृक्ष ही हमारे जीवन का आधार, वर्तमान और भविष्य हैं : नन्दी

एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत मंत्री नन्दी स्मृतिका वाटिका नैनी में किया पौधारोपण

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज स्मृतिका वाटिका ददरी नैनी में पौधारोपण किया। मंत्री नन्दी ने पौधारोपण कर कहा कि पौधारोपण से जहाँ प्रकृति का संरक्षण होता है, वहीं हमारी धरती माता का भी संवर्धन होता है। इसलिए सभी की जिम्मेदारी है कि प्रकृति की रक्षा में ₹ एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान से जुड़े अभियान से जुड़ें और पर्यावरण संरक्षण के आंदोलन को और अधिक प्रभावी एवं गतिशील बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें। मंत्री नंदी ने कहा कि प्रकृति की रक्षा में लगाया हर एक पेड़ जलवायु संरक्षण और आने वाली पीढ़ी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य है मां के प्रति अपने प्यार और सम्मान को एक नए रूप में दशार्ना है। वृक्ष ही हमारे जीवन का आधार है वृक्ष ही हमारा वर्तमान है और वृक्ष ही हमारा भविष्य हैं। मंत्री नंदी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आइये हम सभी मिलकर प्रकृति की रक्षा करने कि लिए और हमारी माताओं को नमन करते हुए ₹एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ें। मंत्री नंदी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 20 जुलाई को नए भारत' के 'नए उत्तर प्रदेश' में एक दिन में 36.50 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लोक-कल्याणकारी संकल्प पूर्ण किया गया। मंत्री नन्दी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण को बचाने के लिए देशवासियों से पेड़ लगाने की अपील की। पीएम मोदी ने मन की बात के 111वें एपिसोड में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपील की कि सभी लोग एक पेड़ अपनी मां के नाम पर जरुर लगाएं। क्योंकि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता मां का होता है। हम सबके जीवन में मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां हर दुख सहकर अपने बच्चे का पालन पोषण करती है। हर मां अपने बच्चे पर हर स्नेह लुटाती है। जन्मदात्री मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज की तरह होता है जिसे कोई चुका नहीं सकता। इस अवसर पर जिलाधिकारी नवनीत चहल, नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग, मण्डल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, हरिकेश तिवारी पूर्व नगर अध्यक्ष, ओमप्रकाश मिश्रा, अजय दुबे, घनश्याम जायसवाल, रवि मिश्रा, प्रशान्त ठाकुर, पार्षद अनूप पासी, जैकी तिवारी, अभिषेक सिंह, श्याम मिश्रा, समर बहादुर सिंह, दिनेश सिंह, उर्मिला यादव आदि उपस्थित रहे।

केवल शोधपत्र नहीं बल्कि बेहतरीन उत्पाद पर केंद्रित हो शोधः प्रो. पांडेय

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में प्रो. एसएन चतुर्वेदी संस्मरण व्याख्यान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्व विद्यालय, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को भारतीय वनस्पति सोसायटी के सहयोग से प्रो. एसएन चतुर्वेदी संस्मरण व्याख्यान-2023 का आयोजन किया गया। इसमें मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी भोपाल के प्रति-कुलाधिपति और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. अरूण कुमार पांडेय ने कुकरबिटेसी की विविधता और वंशवृक्ष के बारे में जानकारी दी। प्रो. एसएम प्रसाद ने स्वागत भाषण दिया। वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सत्यनारायण ने मुख्य वक्ता को भारतीय वनस्पति सोसायटी की ओर से साइटेशन अवार्ड दिया तो प्रो. डीके चौहान ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। संस्मरण व्खायान का विषय डायवर्सिटी, फालोगेनी एवं डोमेस्टीकेशन आफ कुकरबिटेसी रहा। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रो. अरूण कुमार पांडेय ने पूरे विश्व में फैले कुकरबिटेसी की विभिन्न प्रजातियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि कुकरबिटेसी वंश के पौधे करीब 11000 साल पुराने हैं। भारत में कुकरबिटेसी वंश जैसे कि खीरा, कद्दू, तरबूज, परवल, खरबूजे आदि की 94 प्रजातियां पाईं जाती हैं। उन्होंने बताया कि कुछ वन्य प्रजातियां अपने प्राकृतिक वातारण में अधिक फलती-फूलती हैं। यदि उन्हें कहीं और उगाया जाता है तो उनकी उत्पादकता में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में इस दिशा में काफी शोध कार्य किए जा रहे हैं ताकि पौधों को अन्य पर्यावरणीय दशाओं में भी उगाया जा सके। उन्होंने कहा कि नए शोध करने के दौरान शोधार्थी को ध्यान रखना चाहिए कि शोध के उत्पाद बेहतरीन हों जिससे समाज को अधिक फायदा मिल सके। शोधकार्य केवल शोधपत्र प्रकाशित करने तक सीमित नहीं रखा जाए। कार्यक्रम की समन्यवक डॉ. श्वेता शेखर ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. हरमंजीत कौर ने किया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रो. संजय मिश्र, प्रो. सोनाली, डॉ. प्रतीक श्रीवास्तव, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. वैभव श्रीवास्तव और प्रो. मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सोसायटी के वैज्ञानिकों के साथ विश्वविद्यालय के शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का किया जायेगा आयोजन

अपर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को उनके कार्यदायित्वों से सम्बंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कराये जाने के लिए किया निर्देशित

प्रयागराज। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ दिनांक 09 अगस्त, 2024 के अवसर पर जनपद में आयोजित होने वाली कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाये जाने हेतु शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर जिला प्रशासन, पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों के सौजन्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में किया जायेगा।इस अवसर पर सुभाष चौराहा सिविल लाइंस से शहीद चन्द्रशेखर आजाद के गेट नं0-3 तक शहीद स्मृति यात्रा, शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में पुष्पांजलि/श्रद्धांजलि, काकोरी गाथा, काकोरी लिटरेचर फेस्टिवल, काकोरी के शहीदों की याद में शहीद स्मृति वाटिका, अभिलेख प्रदर्शनी एवं शहीदों की याद में विशेष राष्ट्रभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन व स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। विभिन्न विद्यालयों में ओपेन माइक प्रतियोगिता, ऑनलाइन क्वीज प्रतियोगिता, इस घटना से जुड़ी कविता व कहानी, लेखन प्रतियोगिता और काकोरी क्रांतिकारियों पर आधारित किस्सागोई/नाटक का आयोजन भी किया जायेगा। विश्वविद्यालयों में इतिहास विभाग के द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन पर सेमिनारों का आयोजन किया जायेगा। अपर जिलाधिकारी नगर ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को उनके कार्यदायित्वों से सम्बंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने इस अवसर पर सभी तहसीलों, ब्लाकों में भी कार्यक्रमों का आयोजन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने शहीद स्थलों की विशेष साफ-सफाई कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को व्यापारिक संगठनों व अन्य सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से भी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कहा है। इस अवसर पर परियोजना निदेशक ए0के मौर्या, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, अपर नगर मजिस्ट्रेट, पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विदेश में पति को भेजे पत्नी के खिलाफ फर्जी मैसेज

प्रयागराज। सऊदी अरब में नौकरी कर रहे युवक को साइबर शातिर ने पत्नी के चारित्र हनन वाले मैसेज फेसबुक पर भेजे। इस पर पति ने उन मैसेज के स्क्रीन शॉट पत्नी को भेजा। तब विवाहिता ने शातिर के फेसबुक आईडी को जोड़कर मामले की शिकायत की। इस पर शातिर ने महिला को धमकी देते हुए ब्लैकमेल किया। उसने कहा कि जो कहूं, वैसा करो, यही तुम्हारे लिए ठीक होगा।विवाहिता ने शाहगंज थाने में तहरीर दी है कि सऊदी अरब में नौकरी कर रहे उसके पति ने फेसबुक अकाउंट से मकान किराए पर उठाने के लिए पोस्ट डाली थी। इस पर एक शातिर ने पति की फेसबुक आईडी पर उसकी पत्नी के चारित्रिक हनन संबंधी टिप्पणियां की। विवाहिता के पति नेफेसबुक पर जुड़े शातिर की करतूत उसकी आईडी पर व्यक्तिगत बात की। इसके बाद भी उसने वही बाते दोहरा दी। इस पर पति ने सारे चैट के स्क्रीन शॉट पत्नी को भेज दिया। विवाहिता ने अपनी आईडी के जरिए आरोपी से बात की।इसके बाद शातिर ब्लैकमेल करने लगा और कहा कि जैसे कहें वैसा ही करो। यही ठीक होगा। मैं जो काम कहूं वह काम कर दो तो तुम्हारे लिए ठीक होगा। वर्ना तुम्हें बर्बाद कर दूंगा। शातिर की इस करतूत से विवाहिता के वैवाहिक जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। तहरीर पर शाहगंज पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मानकों के विपरीत चल रहे पांच कोचिंग सेंटर सील

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दिल्ली की घटना के बाद प्रयागराज में कोचिंग सेंटर के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। बृहस्पतिवार को मानक के विपरीत कर्नलगंज में चल रहे पांच कोचिंग सेंटर सील कर दिए गए। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की सख्ती के बाद कई संचालक कोचिंग बंद करके फरार हो गए हैं। अगले आदेश तक बच्चों की छुट्टी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई का क्रम जारी रहेगा।दिल्ली की तरह प्रयागराज में भी कोचिंग का हब है। यूनिवर्सिटी के आसपास के मोहल्ले कटरा, मनमोहन पार्क, लक्ष्मी चौराहा, मम्फोर्डगंज, गोविंदपुर, तेलियरगंज, बैरहना, अल्लापुर, सिविल लाइंस आदि में मानकों के विपरीत कोचिंग चल रही हैं। तमाम कोचिंग और लाइब्रेरी बेसमेंट में चल रही हैं। दिल्ली का हादसा बेसमेंट में ही हुआ है। बेसमेंट में अचानक पानी भरने से वहां पर तीन प्रतियोगी छात्रों की मौत हो गई थी। अगर यहां भी लगातार बारिश हुई तो वैसा ही हादसा हो सकता है। पानी निकासी के उचित इंतजाम न दिल्ली में थे और न यहां पर हैं। बारिश हो रही है लेकिन नाले साफ नहीं हैं। कुछ देर की बारिश से ही सड़कों पर पानी भर रहा है। बड़े-बड़े नाले बने हैं लेकिन वह जाम हो जाते हैं। दूसरी ओर मानक के अनुसार कोचिंग में प्रवेश और निकास के उचित इंतजाम नहीं हैं। बेसमेंट में एक ही गेट से प्रवेश और निकास की व्यवस्था है। इसलिए पीडीए के अधिकारी खासकर बेसमेंट में चलने वाली कोचिंग को बंद करवा रहे हैं। पीडीए के जोनल अधिकारी संजीव उपाध्याय ने अब तक11 कोचिंग सील की हैं।

सील की गई कोचिंग

- जेआरएस एकेडमी कर्लनगंज
- द आक्सफोर्ड आफ इंग्लिस कोचिंग कर्लनगंज
- सुपर क्लाइमेक्स एकेडमी कटरा
- उत्कर्स क्लासेज कर्लनगंज
- मेडिका प्वाइंट कटरा

जज की पत्नी से ठगी की कोशिश, साइबर शातिर हुए नाकाम

प्रयागराज। आपकी बेटी पुलिस हिरासत में है। अगर उसकी रिहाई चाहती हैं तो दिए बैंक खाते में या गूगल पे नंबर पर तत्काल एक लाख रुपये जमा कर दें। साइबर शातिरों ने हाईकोर्ट के एक जज की पत्नी के मोबाइल पर कॉल कर यह बात कही। लेकिन पहले से जागरूक जज की पत्नी शातिरों के चंगुल में नहीं फंसीं और रकम देने से इनकार कर दिया। जज के पीएसओ की -तहरीर पर साइबर क्राइम थाने के पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। मोबाइल नंबर और बैंक खाते के आधार पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।दरअसल हाईकोर्ट के एक जज की पत्नी के मोबाइल पर 26 जुलाई को एक व्हाट्सएप नंबर से कॉल आई। कॉलर ने कहा कि आपकी बेटी पुलिस हिरासत में है। अगर उसकी रिहाई चाहती हैं तो दिए गए खाता नंबर पर या गूगल पे दिए गए मोबाइल नंबर पर तत्काल एक लाख रुपये भेज दें। लेकिन पहले सजग जज की पत्नी साइबर शातिरों के चंगुल में नहीं फंसीं और रकम देने से इंकार कर दिया। तत्काल उन्होंने मामले की शिकायत साइबर - क्राइम थाने में की।

झूंसी ओल्ड जीटी रोड की विधुत सप्लाई आज रहेगी बाधित

झूंसी। पोल शिफ्टिंग की वजह से आज एडीए फीडर व गोला बाजार फीडर की विधुत सप्लाई 11 से 4 बजे तक बाधित रहेगी। जानकारी देते हुए एसडीओ आशीष सिंह ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण की जद में आने की वजह से झूंसी स्टेशन से गंगा किनारे तक पोल सिप्टिंग का कार्य पीडीए द्वारा किया जाएगा। शनिवार को 5 घंटे दोनो फीडरों के अंतर्गत आने वाले मुहल्लों की बिजलीं आपूर्ति बाधित रहेगी।

पुरुष नसबंदी में प्रयागराज अव्वल

प्रयागराज। पुरुष नसबंदी में प्रयागराज इस बार प्रदेश में अव्वल रहा। जबकि महिला नसबंदी में दूसरे स्थान पर। पुरुष नसबंदी में प्रयागराज पिछले साल प्रदेश में दूसरे स्थानं प्रर था। इस बारे में 11 से 31 जुलाई तक स्थिरता पखवारा संपन्न कराया गया था। महिला नसबंदी में पहले स्थान पर वाराणसी रहा। सीएमओ डॉ. आशु पांडेय के कहा कि परिवार कल्याण के कार्यों में प्रयागराज निरंतर अव्वल रहने का प्रयास करता है। जिला परिवार नियोजन एवं सामग्री प्रबंधक सचिन चौरसिया के अनुसार, एक पखवाड़ा में 213 पुरुषों की नसबंदी की गई। इसमें 151 ग्रामीण और 62 शहर में नसबंदी हुई।

स्वास्थ्य शिविर में समस्या का निदान

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद रॉयल्स की ओर से गुरुवार को यूनाइटेड मेडिसिटी में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस मौके पर डॉक्टरों की टीम ने महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया। क्लब की ओर से सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाई गई। इस अवसर पर 235 ओआरएस के पैकेट बांटे गए। सचिव अंजली अग्रवाल, राधिका गुलाटी, नीता बीर, वर्षा अग्रवाल, गरिमा श्रीवास्तव मौजूद रहीं।

कुलभाष्कर आश्रम में हुई करियर काउंसिलिंग

प्रयागराज। कुलभाष्कर आश्रम कृषि इंटर कॉलेज में गुरुवार को इविवि के मॉडल करियर सेंटर की ओर से काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सुग्रीव सिंह ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। अभिषेक श्रीवास्तव ने मन पर नियंत्रण करके अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने का मंत्र दिया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह ने किया। इस अवसर पर शरद कुमार पांडेय, पीडी पाल, रमन सिंह, दीपिका श्रीवास्तव रहे।

छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन पांच से

प्रयागराज। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति 2025-26 की परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन पांच अगस्त से शुरू होगा। इसकी अंतिम तिथि पांच सितंबर तय की गई है। परीक्षा 10 नवंबर को प्रस्तावित है। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राएं कक्षा सात की परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचि जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए पांच प्रतिशत की छूट है) अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। वर्तमान सत्र में राजकीय/स्थानीय निकाय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय में कक्षा आठ में पढ़ रहे हो।

एनसीजेडसीसी में योग प्रशिक्षण का शुभारंभ

प्रयागराज। संस्कृति मंत्रालय की ओर से शहरियों के लिए एक बार फिर से एनसीजेडसीसी में गुरुवार को योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। केंद्र निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा ने बताया कि केंद्र के बहुउद्देशीय प्रेक्षागृह में सोमवार से शनिवार तक सुबह पांच बजे से एक घंटे तक योग का अभ्यास कराया जाएगा।

अब्बास अंसारी की जमानत पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिस्टल सटाकर जमीन का जबरन बैनामा कराने के मामले में सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने अब्बास अंसारी के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय और सरकारी वकील को सुनकर दिया है। अब्बास अंसारी के खिलाफ वर्ष 2023 में गाजीपुर कोतवाली में फखर ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

डीआईओएस नहीं कर सकते हस्तक्षेप

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने कहा है कि डीआईओएस कॉलेज प्रबंध समिति की बनाई गई वरिष्ठता सूची में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। उनको यह सूची संशोधित करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम या अन्य किसी विधिक प्रावधान में डीआईओएस को संशोधित वरिष्ठता सूची जारी करने और कार्यवाहक प्रधानाचार्य नियुक्त करने का निर्देश देने का अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने कुंवर रुकुम सिंह वैदिक इंटर कॉलेज और एक अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया है।

अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों को निःशुल्क ओ-लेवल/सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

निःशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु इच्छुक अभ्यर्थी 5 अगस्त तक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

प्रयागराज। पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों हेतु निःशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रशिक्षणदायी संस्था के माध्यम से कराये जाने का प्राविधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों को निःशुल्क ओ-लेवल/सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये है। ऑनलाइन आवेदन हेतु निर्धारित शर्तों/प्रतिबन्धों के अनुसार इस योजना के अन्तर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले आवेदक की आय सीमा रू0 1,00,000/- (धनराशि रू0 एक लाख) से अधिक नहीं होनी चाहिए। आय एवं जाति प्रमाण पत्र तहसील स्तर से निर्गत होना चाहिए। कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए (10$2) इण्टर मीडिएट न्यूनतम शैक्षिक अर्हता आवश्यक है। प्रशिक्षणार्थी/ आवेदक की उम्र 35 वर्ष से अधिक न हों। इच्छुक अभ्यर्थियों द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग उ0प्र0 की वेबसाइट पर ऑन लाइन आवेदन दिनांक 05 अगस्त, 2024 तक किया जा सकता है। अन्य किसी माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। आनलाइन आवेदन के उपरान्त आवेदन की प्रति की प्रिण्ट आउट प्राप्त कर समस्त अभिलाखों/विवरणों (आय/जाति/आधार कार्ड व अन्य शैक्षिक अभिलेख) को संलग्न करते हुये उसकी हार्ड कॉपी कार्यालय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, कक्ष सं0 75 विकास भवन, प्रयागराज में दिनांक 05 अगस्त, 2024 की सायं 05:00 बजे तक जमा किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रयागराज में सम्पर्क करें। यह जानकारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने दी है।

छात्र के अपहरण की सूचना पर पुलिस हलाकान

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के कोटवा गांव से एक छात्र के अपहरण की सूचना पर पुलिस महकमे में खलबली मच गई। सूचना पर हरकत में आई पुलिस ने जांच की तो घटना फर्जी निकली। पुलिस के अनुसार छात्र के परिजन ही उसे बाइक से स्कूल छोड़ने के लिए ले गए थे। थाना क्षेत्र के लीलापुर खुर्द के अभिनव शुक्ल का पुत्र प्रखर शुक्ल बरईपुर गांव स्थित निजी विद्यालय में कक्षा छ का छात्र है। शुक्रवार को सुबह वह पढ़ने के लिए विद्यालय नहीं जा रहा था। किसी तरह समझा बुझाने पर वह घर से स्कूल के लिए निकला पर वह कोटवा गांव में आकर सड़क के किनारे खड़ा हो गया। जानकारी होने पर बाइक से आए घर वाले छात्र को दो थप्पड़ मार कर उसे बाइक पर बैठा लिए और विद्यालय छोड़ने चले गए। छात्र को जबरन बाइक पर बैठाते एक वकील ने देखा तो पुलिस कंट्रोल रूम को छात्र के अपहरण की सूचना दे दी जिससे खलबली मच गई। अपहरण की सूचना मिलते ही एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार राय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच किए। पुलिस ने पास में लगे सीसी टीवी कैमरे की फुटेज चेक किया और छात्र के ड्रेस के आधार पर उसके विद्यालय पहुंची तो पता चला छात्र के अभिभावक ही उसे लेकर आए थे।

एमपी बिरला शिक्षा भवन में छात्र परिषद का गठन पीयूष हेड ब्वाय और उज्ज्वला बनी हेड गर्ल

अखंड भारत संदेश

झूंसी। एम.पी. बिरला शिक्षा भवन एवं इंटर कालेज में शुक्रवार को छात्र परिषद का गठन हुआ। जिसमे उज्ज्वला को हेड गर्ल व पीयूष सिंह को हेड ब्वाय चुना गया। इसी प्रकार ब्लू हाउस कैप्टन प्रिन्स केशखानी, रेड हाउस कैप्टन दीपशिखा गिरि, यलो हाउस कैप्टन वैशाली गिरि और ग्रीन हाउस कैप्टन प्रतीक उपाध्याय को बनाया गया। स्पोर्ट कैप्टन बॉय में शिवम और गर्ल में श्रेया बनी। सांस्कृतिक में उपासना सिंह को जिम्मेदारी की गयी तथा डिसिप्लिन की तपस्या को जिम्मेदारी दी गयी। प्रबन्धक नीलिमा वर्मा और प्रधानाचार्या रीता पाण्डेय ने नवनिर्वाचित छात्र-छात्राओं को पदभार ग्रहण कराया।

कौशल विकास प्रचार आरंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आदर्श नागरिक बनने की शपथ ली

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौशल विकास का अध्ययन करने से छात्रों को विविध प्रकार के कौशल विकसित करने में मदद मिलती है जो न किसी एक पेशे में बल्कि विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी मूल्यवान है शशि त्रिपाठी। इस कार्यक्रम में कॉलेज के अधिकारियों का एक दल उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र के बाहर प्रशिक्षण के प्रचार को लेकर एक अभियान चलाया जिसमें उन्होंने लोगों को जागरूक करने के लिए प्रॉस्पेक्टस का वितरण किया कार्यक्रम में मुख्य रूप शशि त्रिपाठी शाखा प्रबंधक मुथुदूत फिनकॉर्प रोहित पांडे मोहम्मद कौसर रोहित आदि लोग मौजूद रहे मोहम्मद कौसर एडमिशन इंचार्ज एन आई टी सी ने बताया वह शैक्षणिक सुविधाओं और प्रशिक्षण प्लेसमेंट से बहुत संतुष्ट हैं, उन्होंने घोषणा की एनआईटीसी प्रयागराज में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और कौशल विकास केंद्रों में से एक है कोपा ट्रेड बैंक की कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती में मान्य है यहाँ गुरु शिष्य परम्परा का पालन होता है एवं छात्रों का सम्मान करते हुये कहा कि यह केंद्र के लिये गौरव की बात है केंद्र के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें।

इफको इम्प्लाइज यूनियन के चुनाव में 31 उम्मीदवार मैदान में, 6 अगस्त को 5.30 पर शुरू होगा मतदान

फूलपुर। इफको में इम्पलाइज यूनियन का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की अंतिम सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई। नाम वापसी के बाद अंतिम सूची प्रकाशित करते हुए चुनाव अधिकारी पी०के पटेल ने बताया की 6 अगस्त को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष ,महामंत्री सहित विभिन्न पदों के लिए कुल 31 उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगे। अध्यक्ष पद के लिए पंकज पाण्डेय, मनोज कुमार तिवारी एवं संतोष कुमार ने जहां अपनी दावेदारी पेश की है वहीं महामंत्री पद के लिए मनोज कुमार श्रीवास्तव व विजय यादव के साथ ही विनय यादव चुनावी मैदान में होंगे। उपाध्यक्ष पद के लिए धर्म सिंह पटेल, प्रभात कुमार एवं सुरेश कुमार सिंह यादव ने अपना नामांकन किया है तो वहीं संयुक्त मंत्री (संगठन) पद के लिए विनोद कुमार यादव, वीरम यादव ,संताज अली व सालिक राम पटेल आमने-सामने होंगे। संयुक्त मंत्री (प्रचार) पद पर अभयराज यादव, रजनीश राव एवं राहुल कुमार, सहायक मंत्री पद पर अभिषेक पटेल, एनी.जी.नायर, राम चन्द्र गौतम, राम बाबू जायसवाल, विनीत कुमार राय एवं ज्ञान सिंह पटेल, कोषाध्यक्ष पद पर अतुल तिवारी, गौरव श्रीवास्तव एवं दिनेश कुमार मौर्य, कार्यकारिणी सदस्य पद पर पंकज सिंह, मु0 आरिफ अंसारी, मनोज पटेल, विनोद कनौजिया, सुनील वैश्य एवं सुनील कुमार पाल मैदान में होंगे। जन सम्पर्क अधिकारी स्वयं प्रकाश ने बताया की चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतदान नियत तिथि पर सुबह साढ़े पांच बजे से साढ़े तीन बजे तक होगा। मतगणना के पश्चात नतीजे भी उसी दिन शाम को जारी किए जाएंगे।

छिवकी में दिन और रात भर रुलाती रही बिजली की कटौती, लोग हुये परेशान

नैनी। नैनी रीवा रोड पावर हाउस के छिवकी गांव, ददरी, चाका दूबराजपुर मे गुरुवार को रात से बिजली की कटौती रही। रींवा रोड पावर हाउस टीजी डाबलू क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में इन दिनों बिजली की जबरदस्त कटौती की जा रही है। जिसके चलते जनमानस काफी परेशान हो चुका है, और जिम्मेदार अधिकारी बेपरवाह हो गए है। इन फीडरों पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के चलते बिजली की जबरदस्त अघोषित कटौती की जा रही है। बिजली कब आएगी और कब जाएगी इसका अंदाजा लगा पाना मुश्किल हो गया है। क्षेत्र में ट्रांसफार्मर की खराबी, फ्यूज का उड़ना, तार का टूटना, आम बात हो गई है। यदि रात मे किसी भी क्षेत्र का फ्यूज होता है तो उस क्षेत्र की बिजली की सप्लाई बंद हो जाती है, और सुबह होने पर वह फ्यूज का मरम्मत किया जाता है। फिलहाल उच्चाधिकारियों को बिजली का बिल लेने के लिये क्षेत्र मे भ्रमण करने का समय होता है, लेकिन रात्रि की सेवा में पॉवर हाउस के कर्मचारियों की सर्विस जीरो है। सिर्फ सरकार से रात्रि की ड्यूटी की तनख्वाह ऐसे कर्मचारियों को दी जाती है। जहां कार्य कुछ भी नहीं होता है। गुरुवार को रात से छिवकी, ददरी, चाका, दूबराजपुर और क्षेत्रो मे बिजली की कटौती रही। उमस भरी गर्मी मे लोगो का जिना मुश्किल। बब्लू तिवारी, चंदन शर्मा, कौशल शर्मा, विवेक शर्मा, अशीष शर्मा, श्रीराम, मो. नसीम स्थानीय लोगो ने बताया कि इस क्षेत्र मे बिजली दिन मे दो या तीन घंटे ही बिजली रहती है आलाधिकारियों से बिजली की कटौती नही करने की मांग की।

श्रावण मास के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती

अखंड भारत संदेश

निरीक्षण के दौरान लगी आई टी बी पी व थाना पुलिस टीम को दिया धन्यवाद, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए आवशयक दिशा निर्देश

थरवई। शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे प्रयागराज के प्रसिद्ध मंदिर पाण्डेश्वर नाथ पड़िला मंदिर में चल रहे श्रावण मास को लेकर डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती व सहायक पुलिस उपायुक्त यमुनानगर द्वारा मेले का किया गया औचक निरीक्षण। वहीं मेले में आने वाले भक्तों के दर्शन को लेकर प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार गौतम से जाना मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में वहीं मेले में होने वाली भीड़ को लेकर भी बड़े ही विस्तार से बिंदुवार यथास्थिति का लिया जायजा। वहीं सर्वप्रथम मंदिर पहुँचते ही डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर आशीर्वार की कामना की जिसके पश्चात मंदिर व मेले परिसर में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। साथ ही आवशयक दिशा निर्देश दिए गए। व्यवस्थाओं को लेकर संतुष्टि जाहिर करते हुए इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार गौतम व थाना पुलिस साथ ही लेगे आई टीबी पी के जवानों सभी टीमों को धन्यवाद दिया। वहीं मेले के पुजारी से भी मंदिर को लेकर जाना हाल। वहीं पुलिस टीम द्वारा शांति व्यवस्था को लेकर किया गया पैदल गस्त। मेले में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न हो जिसके लिए जगह जगह पुलिस टीमें लगी रहीं। वहीं संदिग्ध व संदिग्धों पर भी विशेष नजर रही। मौके पर मौजूद रहे इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार गौतम अतिरिक्त निरीक्षक सतीश कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक रावेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, एस आई धर्मेंद्र यादव, दीपक कुमार, सोनू कुमार, मोहित कुमार, रिचा वर्मा, हरिओम, अमित कुमार आदि टीम में मौजूद रहे।

वैवाहिक विवादों में व्यावहारिक नजरिया जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि वैवाहिक विवादों में यदि प्राथमिकी और चार्जशीट से संज्ञेय अपराध का होना दिखाई देता है तब भी अदालत को न्याय के लिए शिकायतकर्ता के परोक्ष उद्देश्य पर भी विचार करना चाहिए और मामले पर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। हाईकोर्ट ने अलीगढ़ के पंकज की याचिका स्वीकार करते हुए उसके विरुद्ध दहेज उत्पीड़न और मारपीट के मामले में दाखिल चार्जशीट और निचली अदालत के संज्ञान आदेश को रद्द कर दिया है। पंकज की याचिका पर आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने याची के अधिवक्ता विभु राय को सुनकर दिया है।

सूचना

मेरा नाम सुभाष चन्द्र पटेल पुत्र रामतौल निवासी गांव कचरी पोस्ट बीरपुर खाई तहसील करछना जनपद प्रयागराज का मूल निवासी है यह कि मेरा बैंक आफ बड़ौदा शाखा में मेरे खाता में मेरा नाम सुभाष चन्द्र अंकित हो गया है जबकि मेरे पैन कार्ड व आधार कार्ड संख्या 480660407624 में मेरा नाम सुभाष चन्द्र पटेल है तथा बैंक नेम में तुटी बस सुभाष चन्द्र के आगे सुभाष चन्द्र पटेल अंकित किया जाना आवश्यक है।

विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान में सहायक होगा टैबलेट

बसपा के जोनल कोआर्डिनेटर अशोक गौतम ने कांग्रेस का थामा दामन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर बहुजन समाज पार्टी के सदर और विश्वनाथगंज विधानसभा के जोनल कोऑर्डिनेटर अशोक गौतम ने अपने समर्थको के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। श्री गौतम को पार्टी की सदस्यता देते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने कांग्रेस पार्टी की तिरंगा पट्टी पहनाकर स्वागत किया और कहा कि अशोक गौतम के आने से मान्धाता सहित पूरे विश्वनाथगंज विधानसभा में पार्टी और अधिक मजबूत होगी। श्री गौतम ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद यह भी बताया कि वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा व जनसेवा से अत्यधिक प्रभावित हुए हैं। हर वर्ग, हर जाति के लोगों के बीच जाकर उनके दुख दर्द को बांटना ही राहुल गांधी को अन्य राजनेताओं से अलग करता है, कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा0वी0के0सिंह, कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, सेवादल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, उपाध्यक्ष राम रतन तिवारी, सुरेश मिश्र,अभय तिवारी, फतेह बहादुर सिंह, अंजनी सिंह, सद्दाम अहमद, आलम सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

एमडीपीजी कालेज में छात्र-छात्राओं को वितरित किया गया टैबलेट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत शुक्रवार को एम ए उत्तरार्द्ध सत्र 2022-23 में प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, भूगोल, हिंदी के विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किया गया। टैबलेट पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल गए।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अरविंद मिश्र एवं भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को टैबलेट का वितरण किया। इस दौरान प्राचार्य प्रो मिश्र ने कहा कि यह टैबलेट विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान में वृद्धि एवं आगे की पढ़ाई में अत्यधिक उपयोगी साबित होगा। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे समय का सदुपयोग करते हुए इसका उपयोग अपने अध्ययन को व्यापक एवं सहज करने में करें। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि आज 193 विद्यार्थियों में टैबलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रो प्रदीप कुमार सिंह, डॉ राजवंश सिंह, प्रो संतोष कुमार पांडे, डॉ प्रमथेश पांडे, डॉ अनीष द्विवेदी,

टैबलेट वितरण के दौरान प्राचार्य व छात्र-छात्राएं।

डॉ स्वामी नाथ तिवारी, प्रो रमेश चंद शुक्ल, डॉ अरुण कुमार वर्मा, रामकृष्ण तिवारी, सभाजीत यादव, अमित वत्स, नीलम मिश्रा, सुजीत कुमार श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश, सरिता आदि ने सहयोग किया।

टैबलेट का ज्ञान वृद्धि के लिए छात्र-छात्राएं करें उपयोग

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। टैबलेट मोबाइल लैपटॉप सभी ज्ञान का खजाना हैं। ज्ञानवृद्धि के लिए छात्र-छात्राएं इसके सकारात्मक पक्ष का सदुपयोग करें। वैष्णो देवी प्रशिक्षण महाविद्यालय गोंदाही कुंडा में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजनांतर्गत छात्र-छात्राओं को टैबलेट का वितरण करते हुए मां ज्वालामुखी देवी मंदिर ट्रस्ट सचिव डॉ विजय यादव ने अपने संबोधन में बतौर और मुख्य अतिथि उक्त उदगार ब्यक्त किया। महाविद्यालय प्रबन्धक छोटेलाल यादव ने बताया कि अब क्षेत्र के बालक बालिकाओं को इंग्लिश मीडियम की पढ़ाई के लिए शहरों की तरफ जाने की जरूरत नहीं है। टैबलेट प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को चाहिए कि सरकार की युवा सशक्तिकरण योजना का लाभ उठाते हुए अपना भविष्य सुधारे व संवारे। छात्र नितिन निर्मल, वर्तिका श्रीवास्तव, नेहा सहगल, अंकित जायसवाल, देश दीपक यादव समेत 396 छात्राओं को टेबलेट वितरित किया गया। इस मौके पर शिक्षक अनिल सिंह, आशीष यादव, अमृत शुक्ला, डॉ सुरेंद्र यादव, दिनेश यादव, पुनीत तिवारी, डॉ शिवानी गुर्जर व उमेश धर द्विवेदी समेत अन्य शिक्षक शिक्षाएं व शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।

अटेवा कैलेंडर का विमोचन किया गया

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अटेवा पेंशन बचाओ मंच प्रतापगढ़ द्वारा पी0डब्ल्यू0डी0कार्यालय मे राज्य संयुक्त कर्मचारी परिषद के साथ बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता राम समुझ त्रिपाठी संरक्षक रा.सं.क.परिषद ने किया तथा संचालन आशुतोष सिंह जिलाध्यक्ष अमीन संघ द्वारा किया गया। बैठक में राज्य संयुक्त कर्मचारी परिषद के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष करुणेश सिंह मुन्ना सिंह को शुभकामनाएं देते हुए अटेवा जिलाध्यक्ष सी.पी.राव ने कहा कि पुरानी पेंशन अटेवा प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धुजी के नेतृत्व मे अवश्य बहाल होगी।जिसके लिए राज्य संयुक्त कर्मचारी परिषद से सहयोग और समर्थन मांगा।

जिलाध्यक्ष करुणेश सिंह मुन्ना ने कहा कि पुरानी पेंशन के लिए अटेवा जो भी सहयोग की अपेक्षा करता है हम पूरी तरह से सहयोग करने को तत्पर है। जिला संरक्षक राम समुझ त्रिपाठी ने अटेवा का वार्षिक कैलेंडर का शुभारंभ करते हुए बताया कि कर्मचारियों के जीने का एकमात्र सहारा है पेंशन, जिसे सरकार ने कर्मचारियों से छीन कर कुठाराघात किया है। संचालन करते हुए आशुतोष सिंह ने कहा कि अटेवा द्वारा जो भी आह्वान होगा। हम सब कंधे से कंधा मिलाकर चलेगें। बैठक मे सुरेन्द्र विमल जिला सहसंयोजक, अखिलेश प्रताप, शिवमूर्ति, फूलचंद्र यादव, हीरालाल पुष्कर, सत्यजीत सिंह, पवन कुमार गौतम, दिलीप राव सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी कालेज में हुआ टैबलेट वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत हेमवतीनंदन बहुगुणा पीजी कॉलेज, लालगंज, प्रतापगढ़ में प्राचार्य प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार मिश्र के द्वारा टेबलेट का वितरण किया गया। टैबलेट पाकर विद्यर्थियों के चेहरे पर खुशी छा गयी। इस अवसर पर प्रो0 आर0पी0 मिश्र, प्रो0ऋचा सुकुमार, डॉ0 निशांत पांडेय, डॉ0 सीमा त्रिपाठी, डॉ0 वाचस्पति मिश्र, डॉ0 एफ0एन0मिश्र, शिवकुमार, जितेन्द्र, अभिषेक, श्री शैलेन्द्र, डॉ0 सत्येंद्र, डॉ0 एस0एन0पांडेय, मयंक तथा गोविंद आदि उपस्थित रहे।

बच्चों को टैबलेट वितरित करते प्राचार्य शैलेन्द्र मिश्र।

दबंगई के बल विपक्षी नहीं करने दे रहे खेत की जुताई बुवाई

खेत मे जाने पर लाठी-डंडे से पीटने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। भूमिधरी जमीन की जुताई बुवाई दबंग विपक्षियों द्वारा दबंगई के बल नहीं करने दिया जा रहा है। विरोध पर विपक्षियों ने लाठी-डंडे से पीटकर भूमिधरों को घायल कर दिया। पीड़ितों ने मामले की शिकायत एसडीएम समेत उच्चाधिकारियों से करते हुए दबंगो के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

पट्टी तहसील क्षेत्र के आशापुर अठगवां गांव निवासी राम शिरोमणि गौड़ मोहन लाल, अशोक कुमार, देवी प्रसाद, रामजियावन, उमेश समेत किसानों ने एसडीएम समेत उच्चाधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके भूमिधरी जमीन की जुताई गांव के ही दबंगों द्वारा नहीं करने दिया जा रहा है और इस जमीन पर कोई स्थगन आदेश भी नहीं है। विरोध करने पर उक्त लोग आमादा फौजदारी हो रहे हैं और खेत की जुताई बुवाई करने आने पर जान से मारने की खुलेआम धमकी दे रहे हैं। हद तो तब हो गई जब विपक्षियों ने शुक्रवार को खेत की जुताई बुवाई को गए भूमिधरों को दबंगों ने लाठी-डंडे से पीटकर घायल कर दिया। घायलों ने मामले की शिकायत करते हुए आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

नहीं आते पशु चिकित्सक, इलाज के लिए भटक रहे पशु पालक

झोलाछाप के भरोसे चल रहा है अस्पताल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय पशु चिकित्सालय की हालत काफी बदतर हो चुकी है। एक तरफ जहां चिकित्सालयों में चिकित्सक नहीं हैं, वहीं दवाएं भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नहीं रहती हैं। ग्रामीण इलाकों में पशुपालकों को नीम-हकीमों से पशुओं का इलाज कराना पड़ता है। इसके चलते जहां उनका काफी आर्थिक नुकसान होता है वहीं सही इलाज के अभाव में पशु असमय दम तोड़ देते हैं।

लालगंज नगर मुख्यालय पर स्थित पशु चिकित्सालय पर तैनात चिकित्सक की लापरवाही से ही

पशु चिकित्सालय में खाली पड़ी चिकित्सक की कुर्सी।

ग्रामीण क्षेत्र के चिकित्सक की सेवा का अंदाजा लगाया जा सकता है। कभी आना कभी न आना यह उनकी दिनचर्या में है। चिकित्सकों की मनमानी से तहसील मुख्यालय समेत अगई व रानीगंज कैथौला क्षेत्र के लोग पशुओं के इलाज के लिए दर-दर भटक रहे है। झोलाछाप डाक्टरों से मवेशियों का इलाज कराना इन लोगो की मजबूरी बन गई है। तहसील मुख्यालय पर तैनात चिकित्सक गुरुवार को अस्पताल से गायब दिखे। अस्पताल में मौजूद एक व्यक्ति ने बताया की चिकित्सक साहब नही आए है। डाक्टर साहब के पास जिला मुख्यालय का भी प्रभार है, इसलिए वह कभी आते है कभी नहीं आते है। इस दशा में चिकित्सालय की जिम्मेदारी प्राइवेट चिकित्सको के हाथ में हैं। पशुओं के इलाज के दौरान सुरक्षित खड़ा करने के लिए बनाया गया चैघड़ा भी जर्जर है। केंद्रों पर चिकित्सकों के अभाव से इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं है। गुरुवार को सुबह से चिकित्सक के इंतजार में बैठे लोगो ने बताया की डॉक्टर की प्रतीक्षा करते-करते दोपहर 12 बज गए अभी तक साहब नहीं आये हैं। इस बावत चिकित्सक ने बताया कि सप्ताह में तीन दिन ही वहां जाना होता है। जिला मुख्यालय की भी जिम्मेदारी देखनी पड़ती है।

लापता बेटी की तलाश को लेकर माह भर से कोतवाली का चक्कर लगा रही पीड़ित माँ

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। माह भर से अपहृत बेटी का पता न चल पाने से पीडित मां कोतवाली का चक्कर लगा रही है। पीडित मां ने बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए उच्चाधिकारियों से गुहार लगायी है।

लालगंज कोतवाली के जेवई गांव की सत्रह वर्षीया एक किशोरी संदिग्ध दशा में घर के पास से अचानक गायब हो गयी थी। परिवार द्वारा खोजबीन के दौरान पडोस के विशाल सरोज द्वारा बहला फुसलाकर किशोरी को कहीं भगा ले जाने की जानकारी मिली। इस पर पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज किया लेकिन किशोरी की बरामदगी को लेकर माह भर से सिर्फ हीलाहवाली कर

कोतवाली पुलिस द्वारा पीड़ित मां को मिल रहा सिर्फ कोरा आश्वासन

रही है। लापता किशोरी की मां बेटी को लेकर कोतवाली का चक्कर लगा रही है और पुलिस उसे महज झूठा आश्वासन देकर वापस भेज दे रही है। थक हार कर परेशान परिजनों ने सीओ रामसूरत सोनकर से मिलकर बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए न्याय की गुहार लगायी है। सीओ ने पीडित परिवार को शीघ्र ही किशोरी की बरामदगी को लेकर आश्वासन दिया और कोतवाली पुलिस को मामले में कड़े निर्देश दिये हैं। उधर कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि लापता किशोरी की तलाश की जा रही है।

नगर पालिका ने शहर से पकड़े 22 छुट्टा पशु, सभी को भेजा गया बराछा गोशाला

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका ने गुरुवार की रात शहर के मीरा भवन, अम्बेडकर चैराहा, राजापाल टंकी से शैल श्याम पैलेस तक 22 छुट्टा पशुओं को पकड़कर एक स्थान पर एकत्र किया। ये सभी पशु रात में मध्य सड़क पर रहकर आवागमन को प्रभावित कर रहे थे। इन सभी छुट्टा पशुओं को वाहन में लादकर बराछा स्थित गोशाला भेजा गया।

इस कार्य में रोड गैंग के प्रभारी राजू के साथ 10 कर्मचारी लगे थे। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका के प्रशासक/जिलाधिकारी संजीव रंजन व नगर पालिका के ईओ राकेश कुमार के निर्देशन में छुट्टा पशुओं को पकड़ने का कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने बताया कि पकडे गये छुट्टा पशुओं को छुड़ाने पर एक हजार से पांच हजार रुपये का जुर्माना देना पड़ता है। मध्य रात्रि में नगर पालिका द्वारा की गई इस कार्यवाही का निरीक्षण सफाई निरीक्षक संतोष सिंह के अलावा प्रशांत सिंह भी कर रहे थे। संतोष कुमार सिंह ने आगे बताया कि छुट्टा पशुओं के विरुद्ध यह अभियान आगे भी चलेगा।

छुट्टा पशुओं को पकड़कर गाड़ी में लादते नगर पालिका कर्मी।

एसडीओ ने 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगवाकर ग्रामवासियो को दी सौगात

ग्रामवासियो ने एसडीओ की किया सराहना

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कालाकांकर पावर हॉउस से जुड़े क्षेत्र लाल सिंह का पुरवा हिनाहू गांव मे पिछले दिनों ट्रांसफार्मर के जल जाने से आक्रोशित ग्रामवासियो ने पावर हॉउस मे जमकर बिजली विभाग के खिलाफ नारे बाजी किया था जिसमें ग्रामवासियों के आक्रोश को देखते हुए विभाग ने बाजिदपुर, आलापुर व कालाकांकर की बिजली सप्लाई बन्द कर दिया था।

आक्रोशित ग्रामवासी लोग एसडीओ को पावर हॉउस पर बुलाने को कह रहे थे। ग्रामवासियो के आक्रोश को देखकर नवाबगंज पुलिस भी मौके पर पहुँच गई। एसडीओ कालाकांकर राहुल वैश्य को मामले की जानकारी होने पर पावर हॉउस पहुँचे और ग्रामवासियो को आश्वासन देते हुए आनन फानन मे लाल सिंह का पुरवा की बिजली सप्लाई 63 के वी का ट्रांसफार्मर लाकर आपूर्ति बहाल कराया और ग्रामवासियो को आश्वासन दिया कि नया ट्रांसफार्मर लगवाया जाएगा। लाला सिंह का पुरवा मे 63 केवी का ट्रांसफर लग जाने से ग्रामवासियो व बिजली विभाग को राहत मिली।

प्रतापगढ़ की बेटी रिया जापान में यूपी का करेगी प्रतिनिधि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सण्डवा चण्डिका ब्लाक के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्रा रिया पटेल जापान में 10 से 16 नवम्बर तक होने वाले सकूरा हाईस्कूल प्रोग्राम में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

रिया के साथ प्रयागराज की संध्या सरोज भी चयनित हुई है। बीएसए भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी जेएसटी जापान और अन्य देशों के युवाओं के बीच शैक्षिक

रिया पटेल।

नवाचार में अनुभवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से जापान साइंस हाईस्कूल प्रोग्राम (सकूरा) को लागू किया गया है। इसमें कई देशों से 21 छात्र-छात्राओं को उन्नति वैज्ञानिक तकनीक देखने और वैज्ञानिकों से मिलने का मौका मिलेगा। बताया जाता है कि रिया का पासपोर्ट बेसिक शिक्षा विभाग ने बनवाया है। रिया की यात्रा का पूरा खर्च बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। रिया ने सकूरा हाईस्कूल प्रोग्राम में शामिल होने के लिये परीक्षा में उत्तीर्ण होकर यह गौरव प्राप्त किया है।

प्रमोद तिवारी के विरूद्ध अनुचित टिप्पणी को लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के विरूद्ध बीते लोकसभा चुनाव के दौरान अनुचित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आईटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। कोर्ट की फटकार पर लालगंज पुलिस ने उदयपुर थाना के कुम्भीआइमा निवासी ओमप्रकाश पाण्डेय गुडडू पुत्र जगदीश पाण्डेय के विरूद्ध वायरल वीडियो मे कांग्रेस सांसद के खिलाफ अनुचित टिप्पणी को लेकर सूचना प्रौद्यौगिकी अधिनियम के तहत 67 आईटी एक्ट तथा मानहानि एवं लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर केस दर्ज किया है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने तहरीर में कहा है कि आरोपी ओमप्रकाश पाण्डेय गुडडू ने चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर विद्वेष तथा कुंठा में आवांछित टिप्पणियां की गयी। तहरीर में कहा गया है कि आरोपी द्वारा चुनाव के दौरान वीडियो में सांसद प्रमोद तिवारी के विरूद्ध जानबूझ कर राजनीतिक प्रतिशोध में आधारहीन आरोप लगाया गया है। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने मामले को लेकर एसपी समेत पुलिस को तहरीर सौंपी। पुलिस ने जांच के नाम पर टालमटोल किया तो उन्होनें कोर्ट से कार्रवाई की गुहार की। इस पर सुनवाई करते हुए लालगंज सिविल कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए मामले में एफआईआर दर्ज करने के कड़े आदेश दिये। कोर्ट के आदेश पर लालगंज पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर जगमग हुई मुनीश्वरदत्त की प्रतिमा

आज धूमधाम से मनाया जाएगा विद्यालयों में जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शिक्षा जगत के मालवीय कहे जाने वाले कालजयी व्यक्तित्व के धनी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व प्रदेश के पूर्व मंत्री रहे पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय के जन्मदिवस (3 अगस्त) की पूर्व संध्या पर शहर के ट्रेजरी चैराहे पर लगी मुनीश्वरदत्त उपाध्याय की मूर्ति पर आज प्रबंध समिति के लोगों, प्रधानाचार्यों व शिक्षकों ने मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर तिलक इंटर कालेज के अध्यक्ष प्रशांत देव शुक्ला ने बताया कि पंडित मुनीश्वरदत्त का

मुनीश्वरदत्त का जन्मदिवस मनाते लोग।

जन्मदिन उनके सभी विद्यालयों में शनिवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। मुनीश्वरदत्त की प्रतिमा पर दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पं0 श्याम किशोर शुक्ल, तिलक इंटर कालेज के अध्यक्ष डा0 प्रशांत देव शुक्ल, प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार तिवारी, प्रवक्ता संतोष कुमार पाण्डेय, महेन्द्र त्रिपाठी, प्रमुख साहित्यकार श्याम शंकर शुक्ल श्याम, पूर्व प्रधानाचार्य राम विभूति मिश्रा, ज्ञानेन्द्र शुक्ल, महेन्द्र शुक्ल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाभी पर आया देवर का दिल, मामला पहुंचा थाने

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता ने अपने सगे देवर पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की नामजद शिकायत पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। बता दे कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसका देवर आए दिन उसे तरह-तरह से हैरान परेशान कर रहा है। हद तो तब हो गई जब वह आए दिन अपनी भाभी के कमरे की खिड़की पर जाकर तरह-तरह के अश्लील इशारे करने लगा। देवर की हरकतों से आजिज भाभी ने जब विरोध किया तो उसे और उसके बच्चों को जान से मार डालने की धमकी आरोपी देवर देने लगा। जिससे डरी-सहमी विवाहिता मामले की शिकायत लेकर कोतवाली पहुंची और आरोपी देवर के विरुद्ध नामजद तहरीर पुलिस को देकर न्याय की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र के आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

करंट की चपेट से अधेड़ की मौत, कोहराम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। करंट की चपेट मे आने से पूर्व प्रधान के भाई की आकस्मिक मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलने पर गांव के लोगों में दुख का माहौल बना दिखा। उदयपुर थाना के कुम्भीआइमा निवासी मुस्ताक अहमद पूर्व प्रधान है। गुरूवार की रात लगभग नौ बजे उनका भाई बब्बू अहमद 50 धान की फसल को सबमर्सिबल से पानी लगाने गया था। बब्बू ने जैसे ही इस्टार्टर की बटन दबाया कि वह करंट की चपेट में आ गया। बब्बू अहमद की मौके पर ही मौत हो गयी। देर रात वह घर नही पहुंचा तो परिवार के सदस्यों ने उसे फोन किया। फोन रिसीव न होने पर शुक्रवार की सुबह मृतक का लड़का रिजवान खेत पहुंचा तो पिता को मृत देख आवाक रह गया। उसने रोते बिलखते परिजनों को घटना की जानकारी दी। मृतक छः भाईयों मे सबसे छोटा था। घटना से मृतक की पत्नी मोबिना बानो तथा पुत्र रिजवान व गुलफान व बेटी साहिबा बानो रोते बिलखते दिखे।

चिन्हित ऑगनबाड़ी भवन केन्द्रों का निर्माण कार्य 15 दिवस के अन्दर करें प्रारम्भ : डीएम

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय पोषण मिशन एवं ऑगनबाड़ी भवन केन्द्र निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा सम्राट उदयन सभागार में राष्ट्रीय पोषण मिशन एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने किराये में संचालित ऑगनबाड़ी भवन निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रस्ताव तैयार करते हुए उन्हीं ग्रामों में सर्वप्रथम ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य कराने के निर्देश दियें। उन्होंने कायाकल्प के अन्तर्गत समस्त ऑगनबाड़ी केन्द्रों का 18 पैरामीटर के तहत सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश बाल विकास परियोजना अधिकारी को दिये, ताकि इन केन्द्रों का कायाकल्प कराने की कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा कि जो भी ऑगनबाड़ी भवन केन्द्र निर्माण कार्य के लिए चिन्हित किये गये हैं, उन सभी ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य 15 दिवस के अन्दर प्रारम्भ कर दिया जाय। उन्होंने कहा कि जिन जगहों में ऑगनबाड़ी भवन केन्द्र निर्माण कार्य प्रारम्भ कराने में पेरशानी आ रही हैं, सम्बन्धित ग्राम प्रधान एवं खण्ड विकास अधिकारियों से समन्वय कर कार्य को शीघ्र प्रारम्भ कराया जाय। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी ऑगनबाड़ी केन्द्र फिनीशिंग स्तर पर हैं उन्हें जल्द से जल्द तैयार कराकर हैण्डओवर की कार्यवाही की जाय। उन्होंने सभी सीडीपीओं को पूरे मनोयोग के साथ कार्य करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने पोषण ट्रैकर पर वजन एवं गृह भ्रमण की फीडिंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि ऑगनबाड़ी कार्यकत्री अपने केन्द्र क्षेत्र के लाभार्थी के घर-घर जाकर मानक के अनुसार वजन एवं फालोअप करें,ताकि लाभार्थी की स्थिति का स्पष्ट पता चल पाये। अल्प वजन बच्चे की स्वास्थ्य जाँच कराते हुए आवश्यकतानुसार एनआरसी में भर्ती करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि वीएचएसएनडी के लिए ग्राम पंचायतों में धनराशि रुपए 10 हजार उपलब्ध रहती है, उसका प्रत्येक दशा में सदुपयोग किया जाय। उन्होंने आधार सत्यापन की समीक्षा के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देश दिये कि 31 अगस्त, 2024 तक प्रत्येक दशा में ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आधार सत्यापन करा लिया जाय। प्रत्येक माह आशा,ऑगनबाड़ी एवं एएनएम के साथ बैठक अवश्य किया जाय। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि पात्र लाभार्थी को चिन्हित कर योजना से लाभान्वित किया जाय।इस अवसर पर प्रभारी सीडीओ सुखराज बन्धु, सीएमओ डॉ. संजय कुमार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

शादी विवाह के नाम पर लड़कियों को बेचने के धंधे में लिप्त है गिरोह के सदस्य

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बरियावा के अंतर्गत एक गांव का ग्राम प्रधान कई वर्षों से शादी विवाह के नाम पर लड़कियों को बेचने के धंधे में लिप्त है बताया जाता है कि राजस्थान क्षेत्र में लड़कियों को बेचकर मोटी रकम वसूली होती है जिससे यह प्रधान मालामाल हो रहा है कुछ वर्षों के बीच में प्रधान ने ट्रैक्टर खरीद लिया जेसीबी मशीन खरीद लिया आलीशान घर बनवा लिया डंपर खरीद लिया लग्जरी गाड़ी अपने चढ़ने के लिए खरीद लिया मोटे रकम का बैंक बैलेंस का मालिक हो गया बालिकाओं को बेचने के इस धंधे में प्रधान का कीचड़ छूट गया है और उसकी हैसियत बदल गई है खनदेवरा गांव का एक युवक भी बालिकाओं को बेचने के धंधे में प्रधान का साथी है लड़कियों के खरीद फरोख्त के इस धंधे के खुलासे के लिए इन दोनों लोगों के मोबाइल की कॉल डिटेल से गिरोह के कार्यो का खुलासा हो सकता है राजस्थान के लोग अक्सर उनके मोबाइल फोन पर बात करते हैं और उनसे मुलाकात भी करते हैं इस प्रधान का बारियावा चौकी पुलिस से गहरे संबंध है जिससे प्रधान के अपराध पर पुलिस जांच नहीं कर रही है।

न्यूज झरोखा

बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुआ कांवड़ियों का जत्था

चार सौ की संख्या में शिव भक्त झारखंड के देवघर जिले में स्थित बाबा वैद्यनाथ धाम में करेंगे जलाभिषेक

कौशाम्बी। सावन के पवित्र माह में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कस्बा करारी सहित आस-पास के दर्जनों गांवों के सैकड़ों कांवड़िए बाबा बैद्यनाथ धाम भगवान को जलाभिषेक करने के लिए प्रस्थान किया है शुक्रवार की दोपहर करारी कस्बा सहित आस पास के सैकड़ों शिव भक्त कांवड़ लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए बाबा का जयकारा लगाते हुए हर्ष उल्लास के साथ प्रस्थान किए हैं।शुक्रवार की सुबह कांवड़िए भक्तिमय संगीत में थिरकते हुए नगर भ्रमण किए। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह समाजसेवियों ने स्टाल लगाकर कांवड़ियों को जलपान कराया।इसके साथ ही दवा,टार्च सहित खाद्य सामग्री वितरित किए। सावन के बारहवें दिन शुक्रवार की सुबह सैकड़ों शिव भक्त कस्बे के सोनारन टोला वार्ड स्थित प्राचीन शिव मंदिर के पास एकत्रित हुए। इसके बाद कांवड़ियों का जत्था भक्ति संगीत में थिरकते हुए सोनारन टोला, अशोक नगर,किंग नगर ,मुख्य चौराहा होते हुए हनुमान मंदिर पहुंचे। इस बीच करारी नगर अध्यक्ष शमशाद बख्श ने कांवरियों को सम्मान देते हुए करारी से रवाना किया। शमशाद बख्श में सभी कांवरियों की यात्रा की कामना की। यहां से सभी कांवड़िया चार पहिया वाहन में बैठकर प्रयागराज रेलवे जंक्शन गए। प्रयागराज से सभी शिव भक्त लौ पथ गामिनी में बैठकर बाबा बैद्यनाथ को रवाना हुए।इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री वेद प्रकाश,भाजपा जिला महामंत्री संजय जायसवाल, प्रदीप,पुष्कर,मुकेश, करन मौर्य सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। सुरक्षा के दृष्टि से करारी थाना प्रभारी समेत दर्जनों पुलिस ने शकुसल तारीके से कावड़ियों को रवाना किया।

किस तरह पैरों से कांटों को निकाले सज्जाद

25 मोहर्रम की रात अस्करी हाल में मजलिस के बाद निकाला गया ताबूत

कौशाम्बी। नगर पंचायत करारी में चौथे इमाम जैनुल आब्दीन अलैहिस्सलाम की शहादत के मौके पर मजलिस आयोजित की गई। मजलिस में मौलाना ने इमाम जैनुल आब्दीन अलैहिस्सलाम की शहादत बयान की तो नौहाख्वान ने दर्द अंगेज नौहा पढ़कर माहौल को गमगीन बना दिया। मजलिस की शुरूआत कुरआन की तेलावत से हुई। कार्यक्रम 8 बजे शुरू हो कर देर रात तक चला।गुरुवार की रात कस्बे के नयागंज वार्ड स्थित अस्करी हाल में चौथे इमाम जैनुल आब्दीन अलैहिस्सलाम की तारीखे शहादत के मौके पर मजलिस का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत कुरआन की तेलावत से की गई। सोज नजीरुल हसन और ऐहसान हैदर ने पढ़ी। पेशख़्वानी करते हुए रौशन करारवी ने मर्सिया पढ़ा मजलिस मौलाना सैयद कौसर अब्बास ने पढ़ी। उन्होंने इमाम जैनुल आब्दीन अलैहिस्सलाम की जीवनी पर चर्चा करते हुए कहा कि अगर इमाम न होते तो कर्बला में इमाम हुसैन की शहादत के बाद इस्लाम का नामोनिशान मिट गया होता, लेकिन चौथे इमाम ने अपने खुतबों से यजीदी हुकूमत की बुनियादों को हिलाकर रख दिया था। यजीद जैसे खूंखार हाकिम के खिलाफ लोगों में बोलने की हिम्मत नहीं थी लेकिन आपने अपने खुतबों से ऐसा हमला किया कि यजीदी हुकूमत का आज नाम लेने वाला कोई नहीं है। इमाम की शहादत बयान किया तो हर चाहने वाले की आंख भर आई। मजलिस के बाद ताबूत बरामद हुआ अजादारों ने नम आंखों से ताबूत की ज्यारत की। आदिल और मोहम्मद ने पहला नौहा पढ़ा-ये बाकिर करते थे नौहा पदर दुनिया से जाता है, रहा न कोई अब मेरा पदर दुनिया से जाता है। इसके बाद अंजुमने अब्बासिया करारी ने नौहा पढ़ा-किस तरह पैरों से कांटों को निकाले सज्जाद, तेरी गुरबत पा बहुत रोये हैं छाले सज्जाद। इस नौहे पर नवजवानों ने दिल खोलकर मातम किया। अंत मे हैदर अब्बास ने ज्यारत पढ़ाकर कार्यक्रम को समाप्त किया। इस मौके पर आयोजक सरफराज हुसैन ने अजादारों का शुक्रिया अदा किया।

पुलिस चौकी में बाटी चोखा के आयोजन में शामिल हुए प्रधान और चोरी के आरोपी

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बारियावा में 31 जुलाई की रात में बाटी चोखा भोज का आयोजन किया गया था इस भोज का आयोजन महिला बबली देवी के घर में चोरी करने वाले राकेश राहुल बंसी द्वारा आयोजित किया गया था बाटी चोखा में आने वाले पूरे खर्च को चोरी के आरोपियों से चौकी पुलिस ने लिया और इस भोज में ग्राम प्रधान के साथ चोरी के आरोपी राकेश राहुल बंसी भी शामिल हुए हैं इतना ही नहीं थानेदार और क्षेत्र के कई सभ्रांत लोग भी बाटी चोखा का आनंद लेने पहुंचे सवाल उठता है कि जिस पर एक दिन पहले चोरी का आरोप लगा हो और पुलिस उस पर कार्यवाही कर जेल भेजने के बजाय बाटी चोखा का आयोजन कर उससे हजारों रुपए की रकम खर्च कर उसके साथ भोज में शामिल हो इससे चौकी पुलिस की बेहतर छवि पर क्या असर पड़ रहा होगा समाज में चौकी पुलिस की क्या चर्चा होगी लेकिन बरियावा चौकी पुलिस को समाज और महकमे के अधिकारियों का तनिक भय नहीं है वह तो आरोपियों के साथ गलबहियां डाले घूम रही है पुलिस अधिकारियों को बाटी चोखा के इस भोज के आयोजन को गंभीरता से लेना होगा।

पड़ोसी ने घर के भीतर से दीवाल में सेंध कर पार कर दिया चांदी सोने का जेवर नगद रुपए

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में 30 जुलाई को दिन दोपहर में महिला घर में ताला बंद करके अपनी रिश्तेदारी में चली गई जब वापस लौटी तो देखा कि पड़ोस के घर से उसके घर की दीवाल में सेंध है और घर से सोने चांदी के जेवर नगद रुपए बर्तन अनाज आदि गायब है मामले की सूचना बरियावापुर चौकी पुलिस को दिए जाने के बाद कार्यवाही नहीं हुई जिस पर महिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची है और शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। जानकारी के मुताबिक बबली देवी पत्नी सुरेश कुमार निवासी रामपुर थाना चरवा दिनांक 30 जुलाई को दिन में 9:00 बजे दरवाजे में ताला बंद करके अपनी बुआ के घर गिरिया गांव चली गई उसके पति भी मजदूरी में सराय अकिल चले गए रात में 7:00 बजे जब महिला वापस घर लौटी और भीतर घुसी तो देखा कि पड़ोस के लखन लाल के बेटे राकेश के घर से उसके घर की दीवाल में सेंध कर दीवार में छेद किया गया है और उसके घर से आधा किलो चांदी की करधनी एक पाव चांदी का छागल आधा तोला लगभग सोने की लॉकेट 20 हजार रुपए नगद 10 हजार कीमत का बर्तन कई बोरी गेंहू चावल चना अरहर आदि अनाज घर से गायब है पड़ोसी राकेश राहुल और बंसी से इस बारे में महिला ने बात की तो यह तीनों गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगे और मारपीट करने लगे मामले की सूचना महिला ने बारियावा पुलिस चौकी में दी जिस पर मौके पर पुलिस पहुँची घटना की जांच पड़ताल की घर के भीतर राकेश के घर से सेंध पुलिस देखकर वापस लौट गई घटना को पुलिस ने अभिलेखों में दर्ज नहीं किया आरोपियों की पुलिस ने गिरफ्तारी नहीं की पुलिस की जांच पड़ताल करने के बाद 1 अगस्त की रात में उपरोक्त तीनों ने फिर महिला को गाली गलौज किया और कहा कि मुकदमा लिखाया तो तुम्हारी हत्या कर देंगे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची महिला ने मुकदमा दर्ज कर सामान बरामद कराए जाने की मांग की है।

बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक के लिए रवाना हुए सैकड़ो भक्त

कौशाम्बी ऐगवा से हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ बाजा डीजे के साथ नाचते गाते हुए सभी ग्रामवासियो ने कावड़ भक्तो को ग्राम देवी और माँ चौराशी का आशीर्वाद लेकर बाबा बैजनाथ धाम जलाभिषेक के लिए विदाई की सैकड़ो की संख्या मे भक्त जन रवाना हुए जो की सुल्तानगंज से गंगा स्नान कर जल को पूजा पाठ कर पैदल के लिए रवाना होंगे और वही गंगा के पवित्र जल से भोले नाथ को स्नान करायेंगे भक्त जन मे अजय मिश्रा अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद कौशाम्बी शशि भूषण द्विवेदी पंकज पाण्डेय रत्नेश तिवारी अनमोल तिवारी पप्पू सिंह चंद्रकांत पाण्डेय टिंकू तिवारी रामेस्वर तिवारी विनीत तिवारी चन्दन केशरवानी प्रिंशु मिश्रा रमेश विश्कर्मा भोला पाण्डेय सहित सैकड़ो भक्त जन शामिल रहे

सेवानिवृत्त होमगार्ड जवान को दी गई विदाई

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के सेवानिवृत्त होमगार्ड जवान राम विशाल उर्फ भगत 1989 बैच निवासी रामपुर धमवा को एसडीएम महेंद्र कुमार श्रीवास्तव तहसीलदार बिनय कुमार नायब तहसीलदार अतुल कुमार लेखपाल संघ अध्यक्ष सुनील द्विवेदी कमल लेखपाल जीतलाल लेखपाल महंत लाल राजस्व निरीक्षक अपर्णा श्रीवास्तव महजबी जमीर उस्मानी आदि लोगों ने ससम्मान पूर्वक माल्यार्पण कर विदाई किया है और उनके कार्यकाल की सराहना की है।

विद्यालयों में स्मार्ट क्लास क्रियाशील रहें : डीएम

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी ने आधार प्रमाणीकरण डीबीटी प्रक्रिया की समीक्षा के दौरान कहा कि लम्बित प्रकरणों का सत्यापन कराया जाय। उन्होंने निपुण भारत की समीक्षा के दौरान कहा कि आप सब लोग मिलकर अपने जनपद को निपुण बनायें। इसके लिए सम्बन्धितों के साथ बैठक कर कार्ययोजना एवं रणनीति बनाकर कार्य किया जाय, जिससे हम अपने ब्लॉक एवं जनपद को निपुण बना सकें। अभिभावकों को भी जागरूक किया जाय, कि वे अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। खण्ड शिक्षाधिकारी विद्यालयों का भ्रमण करते रहें, विशेषकर सर्वप्रथम संघर्षशील वाले विद्यालयों का भ्रमण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी खण्ड शिक्षाधिकारियों एवं डायट प्रवक्ता मेन्टर को निर्देशित किया कि विद्यालयों को निपुण विद्यालय बनाने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। उन्होंने कहा कि संघर्षशील विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए पायी गई कमियों को दूर करने के लिए आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने डायट के प्रवक्ताओं को निर्देशित किया कि 10 के स्थान पर 15 विद्यालयों का निरीक्षण करें। उन्होंने सभी खण्ड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय के रजिस्टर को डिजिटल मेनटेन किया जाय, निरीक्षण के दौरान रजिस्टर डिजिटल मेनटेन न पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत होने वाले निर्माण कार्यों को 15 दिन के अन्दर प्रारम्भ कराने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह पैरेन्ट्स मीटिंग बुलाई जाय, जिसमे खण्ड शिक्षाधिकारी उपस्थित रहकर अभिभावकों को जागरूक करें कि अपनो बच्चों को विद्यालय अवश्य भेजें। बच्चों का आधार प्रमाणीकरण की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी खण्ड शिक्षाधिकारियो को एक सप्ताह में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी जर्जर भवनों की सूची तैयार कर तकनीकी समिति आरईडी को भेजकर एक सप्ताह के अन्दर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड विकास अधिकारियों एवं ई0ओ0 से कहा कि विद्यालयों में कोई भी कमी रह गई है तो उसे दूर करा लिया जाय। उन्होंने खण्ड शिक्षाधिकारियों से कहा कि भ्रमण कर विद्यालयों के जर्जर भवनों को चिन्हित कर लिया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि बच्चे जर्जर भवनां में न बैठें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पंजीकरण से छूटे हुए निजी विद्यालयों का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराया जाय तथा आरटीई एक्ट के अन्तर्गत 25 प्रतिशत बच्चें का प्रवेश इन विद्यालयों में कराया जाय। इसके साथ ही उन्होने कहा कि जिन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित है, यह सुनिश्चित किया जाय कि स्मार्ट क्लास क्रियाशील रहें। अध्यापक टैबलेट का उपयोग करें एवं दीक्षा ऐप को भी ओपेन करें। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि आकांक्षी ब्लॉक के इंडीकेटर्स/योजना की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाय।बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी सुखराज बन्धु, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानन्द यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

25 जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा 53 विद्यालयों का किया गया औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित अध्यापकों का एक दिन का वेतन रोकने के डीएम ने दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के निर्देश के क्रम में शुक्रवार को 25 जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा 53 विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया इस दौरान उ0प्रा0वि0-घोसिया, प्रा0वि0-चित्तापुर, चिरारी, विविनियापुर, ऐमावारी एवं मोहब्बतपुर सहित कुल 53 विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया, जिसमें 07 अध्यापक अनुपस्थित पाये गये, जिस पर जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अध्यापकों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दियें। जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि कुछ विद्यालयों में अध्यापकों द्वारा टैबलेट का उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने उन सभी पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में उप जिलाधिकारी-मंझनपुर द्वारा एआरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने कार्यालय की साफ-सफाई एवं दस्तावेजों के रख-रखाव को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दियें। कार्यालय में उपस्थित कुछ लोग जो कि ड्राइविंग लाइसेन्स के नवीनीकरण के लिए आये थे, उनसे पूछा गया कि कार्यालय में किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं हुई। उन्होंने उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यालय में आवेदक के आने पर उसका कार्य नियमानुसार समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करायें, किसी भी प्रकार से बाहरी व्यक्तियों के माध्यम से कार्य न कराया जाय, जिससे कि आवेदक को किसी प्रकार की परेशानी न हों इसी प्रकार उप जिलाधिकारी सिराथू द्वारा उप निबन्धक कार्यालय सिराथू एवं उप जिलाधिकारी चायल द्वारा उप निबन्धक कार्यालय चायल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों कार्यालयों में साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुव्यवस्थित पायी गई।

9 वर्ष बाद दहेज हत्या के अभियुक्त को सजा

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के टेन शाह आलमा बाद गांव में विवाहिता की दहेज की। मांग ना पूरी होने पर हत्या कर दी गयी थी मुकदमे में राकेश कुमार पुत्र रामदास पासी निवासी टेन शाह आलमा बाद कोतवाली मंझनपुर के बिरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 366 सन 2015 पंजीकृत हुआ पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया 9 वर्ष अदालत में मुकदमा चला 01 अगस्त को मुकदमे की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपी राकेश कुमार को दहेज हत्या का दोषी पाया और उसे 8 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है और दोषी को 16 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया है पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए दहेज हत्या के अभियुक्त को 08 वर्ष सश्रम कारावास व 16,000 रुपए के अर्थदण्ड की सजा दिलाई गई है।

दुष्कर्मी को 20 वर्ष की कठोर कारावास की सजा

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के देवखरपुर गांव में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी मनोज कुमार पटेल के मुकदमे की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने दुष्कर्मी को 20 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है तथा दोषी को 25,000 रुपए के अर्थदंड से दण्डित किया है। घटनाक्रम के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली के देवखरपुर गांव की नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में मंझनपुर कोतवाली पुलिस से मुकदमा अपराध संख्या 419 सन 2022 दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा और दुष्कर्म करने वाले आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया मुकदमे की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपी को दुष्कर्म का दोषी पाया और दुष्कर्म के दोषी मनोज कुमार पटेल पुत्र रामप्रताप निवासी देवखर पुर को न्यायालय ने 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है तथा 25000 के अर्थ दंड से दंडित किया है मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने प्रभावी पैरवी की पुलिस की पैरवी से दोषी को 2 वर्ष में सजा मिल गयी।

210 करोड़ की लागत का ट्रामा सेंटर 2 वर्ष में पूरी तरह से हो गया जर्जर

पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यकाल में अस्पताल के निर्माण में 70 करोड़ वसूला गया कमीशन में कौन हिस्सेदार

7 जनवरी 2022 को विधायक सांसद डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री की उपस्थिति में ट्रामा सेंटर का हुआ लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जनपद के राष्ट्रीय राजमार्ग में कछुआ के पास 210 करोड़ से अधिक की लागत से ट्रामा सेंटर का निर्माण योगी सरकार में कराया गया था ट्रामा सेंटर के निर्माण में गुणवत्ता की जमकर धज्जियां उड़ी थी मामले की शिकायतें भी हुई थी लेकिन तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुष्पेन्द्र कुमार और ठेकेदारों के साठगांठ के चलते ट्रामा सेंटर की गुणवत्ता में सुधार नहीं हो सका और घटिया निर्माण होता रहा निर्माण के बाद इस भवन का लोकार्पण स्वास्थ्य मंत्री वा डिप्टी सीएम वा स्थानीय सांसद और विधायक की मौजूदगी में कर दिया गया निर्माण के गुणवत्ता पर ध्यान देने के बजाय लोकार्पण के अवसर पर माला पहनकर प्रसन्नता जाहिर करने तक लोग शामिल रह गए लोकार्पण के समय बड़े-बड़े बयान बाजी किया गया जिसका जल्द खुलासा हो गया लोकार्पण के समय गुणवत्ता की बात पीछे रह गयी सूत्रों की मबे तो लाभ उठाते हुए तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ठेकेदारों से 30 प्रतिशत से अधिक कमीशन वसूलकर 70 करोड रुपए की रकम एकत्रित की अब इस रकम में सत्ता के गलियारे का कौन-कौन हिस्सेदारी था यह योगी सरकार की जांच का विषय है लेकिन ट्रामा सेंटर के घटिया निर्माण ने योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है

ट्रामा सेंटर के भवन के निर्माण में हेरा फेरी के बाद यह भवन जगह से जर्जर हो गया है भवन की छत के प्लास्टर टूटकर गिरने लगे हैं जिससे मौके पर मौजूद स्वास्थ्य गर्मी आए दिन घायल होते हैं समाजवादी पार्टी की विधायक पल्लवी पटेल ने भी ट्रामा सेंटर के निर्माण पर सवाल उठाए थे लेकिन विपक्ष के नेता होने के चलते उनकी आवाज दब कर रह गई है अभी तक मरीजों को इलाज देने में पूरी तरह से यह ट्रामा सेंटर सक्षम नहीं हो सका है ट्रामा सेंटर के निर्माण में अधिकारियों से लेकर नेता तक केवल कमीशन की रकम वसूली तक सीमित रह गए हैं जिससे योगी सरकार की भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था पर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं यदि ट्रामा सेंटर के निर्माण में धांधली की योगी सरकार ने जांच कराई तो ठेकेदार सहित कई अधिकारी और कई नेताओं के कारनामे का बड़ा खुलासा होगा ट्रामा सेंटर की स्थित इतनी जर्जर है कि इसे ध्वस्त कर फिर से निर्माण कराए जाने की जरूरत है।

सपा विधायक ने उठाये सवाल

कौशाम्बी। ट्रामा सेंटर के भवन निर्माण की गुणवत्ता पर समाजवादी पार्टी की विधायक पल्लवी पटेल ने सवाल उठाया था लेकिन मामले में लीपापोती होती रही ट्रामा सेंटर के भवन की दीवारों में आई दरार प्लास्टर के टुकड़े गिरने से स्वास्थ्य कर्मी घायल हो रहे है एक बार मरम्मत हो चुकी है भवन ध्वस्त कर अधिकारियों ठेकेदारों से वसूली कराए जाने की जरूरत है।

संपादक की कलम से

संसद से टपकता पानी

क्या सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस का सदस्य बनने की इजाजत मिलनी चाहिए?मोदी सरकार में बेरोजगारी के भयावह आंकड़े

सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की उम्मीद करना भारतीयों ने अरसे से छोड़ दिया है। वे मानकर चलते हैं कि यदि किसी शासकीय स्कूल की इमारतें हों या फिर अस्पताल भवन, सड़कें हों या पुल-पुलिया- वे लम्बे समय तक नहीं चलेंगी। फिर वह निर्माण चाहे केन्द्र सरकार की देखरेख में बना हो या फिर राज्य सरकार द्वारा निर्मित हो। सरकारी भवनों को जर्जर होते देर नहीं लगती। कभी स्कूल में पढ़ाई करते बच्चों पर छत का प्लास्टर गिर जाता है तो कभी शाला भवन की दीवार ही ढह जाती है, कभी किसी सरकारी कार्यालय की सीढ़ियां टूटने लगती हैं तो कभी उनकी दीवारों पर उद्घाटन के पहले ही दरारें पड़ने लगती हैं। पुल-पुलियों के खम्भे टूटने लगते हैं तो सड़कें अल्प समय के इस्तेमाल करते ही फटने लगती हैं।

हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आये हैं। बिहार में पुलों ने गिरने का रिकॉर्ड बना दिया है। कुछ ही दिनों में दर्जन भर से अधिक पुल गिर गये। कई हाईवे पर तो उद्घाटन के केवल महीने-दो महीने में ही बड़ी दरारें पड़ गईं। सीवरेज अलग कहर ढाते हैं। जहां-जहां स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत कार्य चल रहे हैं उनमें और भी बुरा हाल है। बारिश ने इस महत्वाकांक्षी व बहुप्रचारित योजना की पोल खोल दी है। सड़कों से लेकर मैदानों पर पानी ऐसा भरता है कि वाहन उनमें गिरते हैं, लोग हाथ-पांव तुड़वा रहे हैं या अपने प्राण गंवा रहे हैं। नियोजन से लेकर क्रियान्वयन तक सारा कुछ ऐसा दोषपूर्ण होता है कि इन योजनाओं का फायदा कम नुकसान ही अधिक होता है। जान-माल की हानि तो होती ही है, जीवन ही अव्यवस्थित हो जाता है। तिस पर अगर थोड़ी सी भी बरसात हो जाये तो जीवन को नर्क बनने में देर नहीं लगती।

अक्सर यह भी आरोप लगते हैं कि, जिसमें बड़े पैमाने पर सच्चाई भी है, भ्रष्टाचार का बड़ा योगदान गुणवत्ता को गिराने में होता है। यह किसी एक राज्य की बात नहीं है बल्कि यह सार्वभौमिक सत्य है कि शासकीय कार्य का अर्थ ही है अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की जेबों का भरना। निर्माण कार्यों की लागत का आकलन तो वास्तविकता के आधार पर होता है, उसी कीमत पर कामों का आवंटन भी होता है परन्तु जब निर्माण शुरू होता है तो पता चलता है कि लाभ का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे ठेकेदार या निर्माण एजेंसियां गुणवत्ता में समझौते करती हैं। निर्माण हो जाता है व उसे विभाग को सौंप दिया जाता है, उद्घाटन हो जाते हैं लेकिन उन निमार्णों की गुणवत्ता जल्दी ही दीवारों, छतों, फर्शों और अन्य जगहों पर से झांकती दिखलाई पड़ती है। इसी कार्य पद्धति के तहत बने पुल लोगों पर गिरते हैं और मासूमों की मौतें होती हैं।

देश में सैकड़ों हादसे ऐसे होते हैं जिनके लिये यही घटिया निर्माण जिम्मेदार होता है परन्तु उससे भी बुरी बात होती है इस पर होने वाली सियासत। यह नया भारत है जहां पहले यह देखा जाता है कि जो भी हादसा हुआ है या निर्माण की खामियां उजागर होती है, तो वह किस राज्य का मामला है और वहां किसकी सरकार है। पहले न कोई ऐसी वारदात का बचाव करता था और न ही भ्रष्टाचार की स्वीकार्यता थी। लेकिन अब एक ही तरह की अलग-अलग राज्यों में होने वाली घटनाएं तय करती हैं कि उनकी आलोचना की जाये या बचाव। भारतीय जनता पार्टी की यह देन कही जा सकती है जिसके पास ऐसा प्रचार तंत्र है जो यह याद दिलाता है कि यदि अभी पुल-पुलिया गिर रहे हैं, एयरपोर्ट में पानी भर रहा है, रेलवे स्टेशन की छतों से पानी चू रहा है तो कोई बात नहीं, क्योंकि ऐसा पहले भी हुआ था- कांग्रेस के समय। भाजपा की ट्रोल आर्मी को फर्क नहीं पड़ता कि जनता के पैसे से बने अयोध्या के राममंदिर की छत से चू रहे पानी से गर्भगृह लबालब हो रहा है या महाकालेश्वर में लगाई गयीं मूर्तियां गिर रही हैं। करोड़ों की लागत से बने एक्सप्रेस-वे टूट जायें या पुल ढह जायें- उनकी बला से।

अपने प्रचार तंत्र और समर्थकों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार, खासकर नरेन्द्र मोदी को बहुत भरोसा है, फिर वे यह भी जानते हैं कि उन्हें इसे लेकर किसी को जवाब देना नहीं है। यही कारण है कि उनकी सीधी देखरेख में बने और उनका अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले नये संसद भवन में पानी टपकने को लेकर सरकार का कोई बयान नहीं आया है। वैसे ही जिस प्रकार कुछ हवाई अड्डों में पानी भरने व एक्सप्रेस-वे टूटने पर कुछ नहीं कहा गया। इसके बावजूद देश के सबसे प्रतिष्ठित भवन की छत से अपने निर्माण के इतने कम समय में पानी टपकने की जिम्मेदारी से मोदी नहीं बच सकते।

उन्होंने इसका निर्माण बहुत जल्दबाजी में कराया था। कोरोना काल में जब देश के लिये एक-एक रुपया महत्वपूर्ण था, इस पर करोड़ों रुपये लगाये गये (कितने, यह स्पष्ट नहीं)। मोदी इस काम का बार-बार निरीक्षण करते रहे। सेफ्टी हैलमेट लगाकर ड्राइंग फैलाये अन्य इंजीनियरों को जिस प्रकार से उंगली दिखाकर निर्देश देते हुए मोदी की तस्वीरें देश-दुनिया में प्रकाशित व प्रसारित हुई थीं, वैसी ही गुरुवार को सुबह से उस नीली बाल्टी की फोटुएं वायरल हो रही हैं जिसमें 'सेंट्रल विस्टा' कहे जाने वाले नवीन संसद भवन के भव्य गुंबद से टपकता पानी इकठ्ठा हो रहा है। निर्माण में स्पेस टेक्नालॉजी का इस्तेमाल का दावा करने वाले मोदी को इस पर कुछ कहना चाहिये क्योंकि पुराने संसद भवन के बरक्स उन्होंने इसे अधिक गौरवशाली माना है।

तेहरान में हमास नेता हनीयेह की हत्या से मध्य पूर्व में युद्ध भड़कने की संभावना

– नित्य चक्रवर्ती

हनियेह उग्रवादी समूह के निर्वासित राजनीतिक प्रमुख थे और उन्होंने हाल के वर्षों में अपना अधिकांश समय कतर और तुर्की में बिताया था। उन्हें एक व्यावहारिक व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने इजराइल-गाजा युद्ध के दौरान युद्ध विराम वार्ता में एक वाताकार के रूप में काम किया था। उन्होंने हमास के मुख्य सहयोगी ईरान के साथ संपर्क किया था और तुर्की के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। उन्हें एक कुशल वाताकार के रूप में बहुत महत्व दिया जाता था ।

बुधवार को मध्य पूर्व में अभूतपूर्व उथल-पुथल मच गई, जब खबर आई कि तेहरान में सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने उनके आवास में हमास नेता इस्माइलहनीयेह की हत्या कर दी। हालांकि ईरानी सरकार ने कहा कि वे हत्या की जांच कर रहे हैं और इजरायली सरकार ने आधिकारिक तौर पर चुप्पी साधे रखी, लेकिन फिलिस्तीन के नेताओं ने इसे 'विश्वासघाती जायोनी छापा' करार दिया।

इससे पहले, ईरान के रिवोल्यूशनरीगार्ड्स ने कहा कि उन्हें एक ईरानी अंगरक्षक के साथ उनके आवास में निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति मसूदपेजेशकियन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये थे। पेजेशकियन को पिछले महीने राष्ट्रीय चुनावों में ईरान का नया राष्ट्रपति चुना गया था। 30 जुलाई को उनके शपथ ग्रहण समारोह में पश्चिम एशियाई देशों के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया गया था। हनियेह उग्रवादी समूह के निर्वासित राजनीतिक प्रमुख थे और उन्होंने हाल के वर्षों में अपना अधिकांश समय कतर और तुर्की में बिताया था। उन्हें एक व्यावहारिक व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने इजराइल-गाजा युद्ध के दौरान युद्ध विराम वार्ता में एक वाताकार के रूप में काम किया था। उन्होंने हमास के मुख्य सहयोगी ईरान के साथ संपर्क किया था और तुर्की के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। उन्हें एक कुशल वाताकार के रूप में बहुत महत्व दिया जाता था और हमास नेतृत्व ने पिछले साल 7अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल के खिलाफ हमास की लड़ाई के लिए सहायता का आयोजन करने में उनके कौशल का उपयोग किया।

हनियेह को खालिदमेशाल की जगह लेने के लिए 2017 में हमास राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख चुना गया था, लेकिन वह पहले से ही एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे, क्योंकि 2006 में उस वर्ष के संसदीय चुनाव में हमास की अप्रत्याशित जीत के बाद वे फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री बन गये थे। तुर्की सरकार के साथ उनके अच्छे संबंध थे और उन्होंने राष्ट्रपति एर्दोगन से फिलिस्तीनी लड़ाकों के पक्ष में वित्तीय और अन्य सहायता का प्रबंध किया था।

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

-: ललित गर्ग :-

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरू हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है।

संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी-एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया।

सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद-19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पडेगी।

आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी-एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है। क्योंकि उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी स्थिति गांव में रहने वाले भूमिहीन-निर्धन-अभावग्रस्त लोगों के बच्चों जैसी है। सच यही है कि आरक्षण की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी श्रेणी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है।

हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग-समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी-एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय-समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी-एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए। आरक्षित वर्गों में जो भी अपेक्षाकृत सक्षम और संपन्न हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाना सामाजिक न्याय की मूल भावना के खिलाफ तो है ही, वंचित-निर्धन लोगों के साथ किया जाने वाला अन्याय भी है। आरक्षण प्रदान करते समय यह देखा ही जाना चाहिए कि उसका लाभ पाने वाला पात्र है या नहीं? अब जब सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के उपवर्गीकरण और क्रीमी लेयर की जरूरत जता दी है, तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि मोदी सरकार ओबीसी आरक्षण में उपवर्गीकरण की संभावना का पता लगाने के लिए गठित रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़े। कुल मिलाकर, ताजा फैसला न सिर्फ नीति-निर्माण के स्तर पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

प्रेषक
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92

जनगणना से कब तक डरना

– अरविन्द मोहन

जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वगीर्कृत करता है, विश्लेषित करता है।

बजट से जुड़ा हलवा बांटने वाले और हलवा खाने के रुपक के सहारे बात को जातिगत जनगणना तक ले जाने वाले राहुल गांधी ने अपनी राजनीति चल दी। अब इसका कितने लोगों पर कैसा असर हो रहा है इसका हिसाब अलग–अलग हो सकता है, लेकिन भाजपा पर इसका प्रभाव काफी पड़ा है। उसकी तरफ से राजनीति को हिन्दू–मुसलमान लाइन पर ले जाने का प्रयास बंद नहीं हुआ है लेकिन अब वह हर बात में जाति के सवाल को महत्व देने लगी है और राहुल गांधी तथा कांग्रेस को ही नहीं समाजवादी पार्टी और राजद को ही पिछड़ा और दलित विरोधी बताने का प्रयास भी कर रही है। लेकिन निश्चित रूप से वह जातिगत जनगणना के खिलाफ है और इसकी कोई उपयोगिता नहीं मानती–भले उसने बिहार में हुई जातिगत जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन राहुल गांधी को अपनी इस राजनैतिक रणनीति या भाजपा की घेराबंदी में एक बार भी याद नहीं आया कि देश में वह सामान्य जनगणना भी नहीं हुई है जो विश्वयुद्ध के दौरान भी नहीं रुकी थी। और सरकार ने जिस कोरोना के नाम पर जनगणना रोकी थी (हालांकि दुनिया में ऐसा सिर्फ दो अन्य देशों में ही हुआ था) उसे गए जमाना हो गया है और अब आम चुनाव समेत सब काम रूटीन पर लौट आया है। विपक्ष का नेता होने के चलते राहुल को यह पूछने की जरूरत थी क्योंकि इस बजट में भी जनगणना के लिए धन का प्रावधान नहीं हुआ है–यह रकम पहले से कम कर दी गई है। और तब भले गृहराज्य मंत्री ने सदन में और गृह मंत्री ने बाहर कोरोना के चलते जनगणना रोकने और ज्यादा व्यापक सवालों के साथ जनगणना कराने की बात कही हों अब तो सरकार के अधिकारी कहने लगे हैं कि 1948 के जनगणना कानून में इस बात का कोई प्रावधान नहीं है कि हर दस साल पर अनिवार्य रूप से जनगणना हो ही। संभवत: ऐसा है भी लेकिन पिछले डेढ़ सौ साल की जनगणना की परंपरा और उसकी रोजाना के काम की उपयोगिता ने हमारे लिए कानून के पन्ने पलटने की जरूरत नहीं छोड़ी थी। चुनाव के क्षेत्र निर्धारण से लेकर सरकारी नीतियां बनाने और संसाधनों के आवंटन तथा आगे होने वाले हर सर्वेक्षण में जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाने की आदत हमारे मन मस्तिष्क में इस तरह समा गई है कि हम सोच भी नहीं सकते कि अच्छे दिन लाने और देश को विकसित दुनिया की बराबरी पर लाने और विश्वगुरु बनाने के दावे करने वाली सरकार जनगणना रोक देगी। इस सरकार का आंकड़ों से 'बैर' अब छुपा नहीं है। उसने जाने कितने आंकड़े जुटाने का काम रोका है, कितने जुटे आंकड़ों को प्रकाशित नहीं होने दिया है, कितने ही दूसरे अनुमानों को झुठलाया है, जीडीपी की गणना से लेकर न जाने किस–किस हिसाब का आधार ही बदल दिया है। इन सबसे हमारे सारे आंकड़े संदेहास्पद हो गए हैं जबकि ब्रिटिश शासन काल से ही महा–सांख्यिकी लेखाकार के अधीन आंकड़े जमा करने की एक मजबूत व्यवस्था के अभी तक काम करते जाने के चलते दुनिया में हमारे आंकड़ों को बहुत सम्मान से देखा जाता था। और हद तो तब हो गई जब सरकार ने जीएसटी कर वसूली के निरंतर बढ़ते जा रहे आंकड़ों और कर वसूली बढ़ने के आंकड़ों को सार्वजनिक करने पर रोक लगा दी। देश विदेश के विभिन्न संस्थानों द्वारा जैसे–जैसे जुटाए आंकड़े जब सरकार के पक्ष में होते हैं तो उनका शोर मचाया जाता है वरना उनको खारिज कर दिया जाता है। और बुनियादी दिक्कत यह है कि जब पंद्रह साल पुरानी जनगणना को रैंडम सैंपलिंग के लिए कितनी भी ईमानदरी से इस्तेमाल किया जाए तो नतीजे गलत आने की पूरी गुंजाइश है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण हो या परिवार स्वास्थ्य या उपभोग सर्वेक्षण, सभी जनगणना के आंकड़ों को ही आधार बनाते हैं। जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वगीर्कृत करता है, विश्लेषित करता है।

तो अब अदालत को भी पलटने का हक

@ राकेश अचल

आरक्षण के मामले में शीर्ष न्यायालय के फैसले को लेकर नाना-प्रकार की प्रतिक्रियाएं आ रहीं है। कुछ लोग और राजनीतिक दल इस फैसले से खुश हैं तो कुछ नाखुश, क्योंकि अदालत ने अपने डेढ़ दशक पुराने फैसले को पलटते हुए कोटे के भीतर आरक्षण कोटा तय करने का अधिकार राज्यों को दे दिया है, शीर्ष अदालत का फैसला जहां आरक्षण विरोधी संघ, भाजपा और कुछ अन्य दलों के एजेंडों पर कुठाराघात है वहीं कुछ दलों के लिए राजनीति चमकने का अवसर भी।

हमारे देश में जैसे जाति एक हकीकत है वैसे ही आरक्षण भी एक हकीकत है। आजादी के बाद से ही ये देश आरक्षण और जातियों के बीच झूल रहा है या कहिये पिस रहा है। कुछ लोग और दल चाहते हैं कि अब देश में जाति और और जातिगत आरक्षण हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाये क्योंकि ये दोनों ही बराबरी और विकास के सबसे बड़े दुश्मन है। जबकि कुछ लोग चाहते हैं कि जब तक समाज में आर्थिक बराबरी न आ जाये तब तक जाती का तो पता नहीं किन्तु आरक्षण को बनाये रखना चाहिए। जाती को लेकर हमारे समाज की मान्यताएं भी भिन्न है। कोई कहता है कि 'जाति न पूछो साधू की, पूछ लीजिये ज्ञान', तो कोई कहता है जाति-पांत पूछे नहीं कोय, हरि को भजे सो हरि को होय।' इसके बाद भी हमारी संसद में आज भी जाति पूछी जातीं है और निर्ममता से पूछी जाती है।

बात एकदम ताजा है। शीर्ष अदालत [सुप्रीम कोर्ट] ने 2004 के ईवी चिन्नैया केस में दिए गए अपने ही फैसले को पलटते हुए कहा कि राज्यों को अजा-अजजा कैटिगरी में सब-क्लासिफिकेशन का अधिकार है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि इसके लिए राज्य को डेटा से यह दिखाना होगा कि उस वर्ग का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व है। जस्टिस बी. आर. गवई समेत चार जजों ने यह भी कहा कि अजा-अजजा कैटिगरी में भी क्रीमीलेयर का सिद्धांत लागू होना चाहिए। मौजूदा समय में क्रीमीलेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी में लागू है। सात जजों की बेंच ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी का फैसला अलग था।

अब सवाल ये है कि क्या नेताओं की तरह अदालतें भी अपने फैसले समयानुसार बदल सकतीं हैं ? मेरे हिसाब से बिलकुल बदल सकतीं हैं, क्योंकि फैसले व्यक्ति करते हैं, मशीनें नहीं। यदि शीर्ष अदालतों में फैसले मशीनें करतीं तो मुमकिन है कि वे अपने ही फैसले न बदलतीं लेकिन जब व्यक्ति फैसले करते हैं तो उन्हें फैसले बदलने का हक है। क्योंकि कोई भी फैसला समीक्षा के योग्य होता है और सौ फीसदी सही नहीं होता। उसमें संशोधन की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। अर्थात फैसले बदलने का हक केवल इस देश के नेताओं को ही नहीं अपितु अदालतों को भी है। वे जनमानस के मनोभावों के अनुरूप चलतीं है। कानून और साक्ष्य तथा तर्क-वितर्क अदालतों को फैसला करने में सहायक होते हैं।

याद कीजिये कि यही मामला जब पहले शीर्ष अदालत में आया था तब सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को सब-क्लासिफिकेशन करने की इजाजत नहीं है।लेकिन अब उसी सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने इस फैसले को पलट दिया। हालांकि, जस्टिस बेला त्रिवेदी ने छह जजों से असहमति जताई। चीफ जस्टिस की अगुआई वाली सात जजों की बेंच ने कहा है कि अनुसूचित जाती के सब-क्लासिफिकेशन से संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है। साथ ही कहा कि इससे अनुच्छेद-341 (2) का भी उल्लंघन नहीं होता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद-15 और 16 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो राज्यों को रिजर्वेशन के लिए जाति में सब-क्लासिफिकेशन से रोकता है।

सुप्रीम कोर्ट यानि शीर्ष अदालत शीर्ष ही होती है। वो बहुत सोच-विचार के बाद बहुमत से फैसले करती है। सुप्रीम कोर्ट में बहुमत चलता है, ध्वनिमत नहीं। सबको अपने फैसले करने का अधिकार है। सहमति के साथ ही असहमति का भी सम्मान किया जाता है। भले ही असहमति को सहमति के आगे नतमस्तक होना पड़ता है। फैसले करने का ये लोकतंत्र यदि हमारी संसद में भी हो तो न कोई किसी की जाति पूछे और न कोई किसी पर आखें तरेरे। लोकतंत्र बहुमत से चलता है तानाशाही से नहीं।

शीर्ष अदालत ने अपना ही फैसला बदलने में पूरे बीस साल का समय लिया। इसलिए आप ये नहीं कह सकते कि ये फैसला जल्दबाजी का फैसला है। फैसला आखिर फैसला है। इसे अब केवल देश की संसद नया कानून बनाकर बदल सकती है। और अतीत में सरकारें अदालतों के फैसलों के खिलाफ नए कानून बनाती रहीं हैं। इसीलिए अदालतों के फैसलों का कभी स्वागत किया जाता है तो कभी विरोध । इस फैसले का भी कुछ लोग विरोध कर रहे हैं और उनके अपने तर्क भी है। संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश अम्बेडकर को शीर्ष अदालत का ये फैसला अच्छा नहीं लगा। वे कहते हैं कि अदालतों को अजा-अजजा के वर्गीकरण का अधिकार नहीं है। ये काम संसद ही कर सकती है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश वंचित अघाड़ी पार्टी चलाते हैं। लेकिन वे आरक्षण विषेशज्ञ भी हैं, ऐसा मै नहीं मानता । बाबा साहब के पौत्र होने का अर्थ प्रकाश का भी संविधान विशेषज्ञ होना नहीं है। वे राजनीतिक दृष्टि से सोचते है। जिस दिन उनका बहुमत संसद में हो जाएगा, वे शीर्ष अदालत का फैसला बदलने या बदलवाने के लिए स्वतंत्र होंगे। फिलहाल तो शीर्ष अदालत के इस फैसले से ' कहीं खुशी,कहीं गम ' का माहौल है। ऐसा होता है । जैसे श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवाद में आये इलाहबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी हुआ है।

साढे 12 लाख के खोये फोन बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 12 लाख पचास हजार कीमत के खोये 75 मोबाइल फोन बरामद किये हैं। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक ने पत्रकार वार्ता में बताया कि एसओजी/सर्विलांस टीम ने खोये 75 मोबाइल फोन जिनकी कीमत साढे 12 लाख है। विभिन्न तिथियों में लोगों ने पत्र दिये थे कि फोन खो गये हैं। टीम में एसओजी/सर्विलांस निरीक्षक एमपी त्रिपाठी, दीवान नीतेश समाधिया, दीवान जितेन्द्र कुमार, सिपाही रोहित सिंह, आशीष यादव, ज्ञानेश मिश्रा, पवन राजपूत, राघवेन्द्र, रोशन सिंह, गोलू भार्गव शामिल रहे। पत्रकार वार्ता में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी मौजूद रहे।

नीति आयोग से मिली धनराशि का दें विवरणः डीएम

डीएम ने कहा कि कार्य पूरे होने पर लें प्रमाण पत्र

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नीति आयोग के तहत विभिन्न विभागों के कराये विकास कार्यों के इंडिकेटर्स प्रगति समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, उद्यान, पशु पालन, बाल विकास, कौशल विकास मिशन, विद्युत, वित्तीय समावेशन, दूरभाष आदि बिन्दुओं की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिये नीति आयोग के जिन बिंदुओं पर प्रगति कम हुई है, संबंधित विभाग प्रगति करायें, ताकि जिले की रैंकिंग अच्छी रहे।

शुक्रवार को कलेक्टेट सभागार में बैठ की अध्यक्षता करते हुए डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नीति आयोग की धनराशि से कार्य हो रहे हैं, उन्हें पूरा करायें। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देश दिये कि नीति आयोग के बिन्दुओं के तहत किन- किन विभागों में क्या कार्य हो रहे हैं, कितनी धनराशि मिली है, विवरण समेत दें। जिन विभागों के कार्य पूरे हो गये हैं, उनसे उपभोग प्रमाण पत्र लें। सभी बिंदुओं का डाटा समय से पोर्टल पर अपलोड करायें। कोई विभाग लापरवाही नहीं करेगा। सीडीओ से कहा कि धनराशि के अभाव में शेष कार्य पूरा कराने को धनराशि की व्यवस्था करायें। उप निदेशक कृषि से कहा कि फसल बीमा का कवरेज बढ़ायें, ताकि अधिक किसानों को लाभ मिल सके। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, सीएमएस डॉ बंदना श्रीवास्तव, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीडीए कृषि राजकुमार, डीपीआरओ इन्द्र नारायण सिंह, पीडी डीआरडीए, बीएसए वीके शर्मा, डीआईओएस संतोष कुमार मिश्रा, एक्सईएन लोनिवि प्रांतीय खंड सत्येंद्र नाथ, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निर्देश देते डीएम।

निलम्बित लेखपाल ने ग्रामीणों से की थी वसूली

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के टिकरिया क्षेत्र में तैनात रहे निलम्बित लेखपाल जितेंद्र गुप्ता ने निलम्बन से पहले ग्रामीणों से काम करने की एवज में रुपये लिये थे। अब वह न रुपये दे रहा है और न फोन उठा रहा है। ग्रामीणों ने एसडीएम मानिकपुर को लिखे पत्र में कहा कि निलम्बित लेखपाल जितेन्द्र गुप्ता से उनके रुपये वापस कराये जायें।

ये खुलासा शुक्रवार को हुआ। जमुनिहाई गांव के खोली वर्मा पुत्र बेलिया आदि ग्रामीणों ने एसडीएम को लिखे पत्र में कहा कि निलम्बन से पहले लेखपाल जितेन्द्र गुप्ता ने उनसे पट्टे दो की जमीन को एक करवाने के लिए पैसा लिया था। उसने कोई काम नहीं किया। इसी प्रकार से अन्य ग्रामीणों ने भी लेखपाल के पैसा लेने की शिकायत की है। अब लेखपाल निलम्बन के बाद न पैसा दे रहा है न फोन उठा रहा है। ग्रामीणों ने एसडीएम से निलम्बित लेखपाल जितेन्द्र गुप्ता से पैसा वापस कराने की मांग की है।

डीएफओ की देखरेख में वृक्षारोपण में हो रही लूट, भ्रष्टाचार में डूबे हैं रेंजर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रभागीय वनाधिकारी डॉ नरेन्द्र सिंह की मिलीभगत से रैपुरा रेंज के गढ़चपा वन ब्लॉक में रेंजर रैपुरा दिवाकर व पिन्टू बाबूजी, फूलचंद्र द्विवेदी, राजबहादुर के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। लूट के खेल में सभी लोगों के शामिल होने की खबर है।

वन विभाग के लूट का खुलासा शुक्रवार को हुआ। बताया गया कि गढ़चपा वन ब्लॉक में बीहर, कैमहा, दरेसी में बरम बाबा में कराये कार्यों में 40 हजार गड्ढों की जगह महज दस हजार गड्ढे खोदे गये हैं। 16 हजार नाली बोना की जगह महज आठ हजार नाली बोना की खुदाई हुई है। 40 हजार पौधों की जगह आधे पौधे नहीं लगाये। गढ़चपा, चपला, गाड़ाकछार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। 12 हजार नाली बोना खुदाई की जगह चार हजार बोना नाली खोदी गई है। आठ हजार बोना नाली की खुदाई की धनराशि में बंदरबांट हुआ है। 20 हजार गोल गड्ढों की खुदाई की जगह महज तीन हजार गड्ढे खोदे गये हैं। 17 हजार गड्ढों की धनराशि खा ली गई है। गढ़चपा बीट में किसी प्लाट में पत्थर की खखरी नहीं बनाई। खखरी के नाम पर धनराशि निकाली है। वन विभाग में जिस दिन से खाऊ-कमाऊ नीति के डीएफओ आये हैं, उस दिन से वन विभाग में काले कारनामे हो रहे हैं। भ्रष्टाचार का मास्टर माइंड पिंटू बाबू जो वर्ष 2004 से 2024 तक के कार्यकाल में 20 सालों से रैपुरा रेंज में तैनात है। इस लिपिक के चलते रैपुरा रेंज ऑफिस बदनाम है। देश के प्रधानमंत्री व सूबे के मुख्यमंत्री के वृक्षारोपण के सपने को डीएफओ चकनाचूर करते दिख रहे हैं। रैपुरा रेंज ऑफिस के जिम्मेदार रेंजर व सुरक्षाकर्मी मुख्यमंत्री व वन मंत्री को पलीता लगा रहे हैं। रैपुरा रेंज के विभिन्न गांवों में वृक्षारोपण कार्यों की जांच की मांग राजेश सिंह व वेद सिंह ने की है।

डीआईजी ने वार्षिक मुआयने में जांची हर चीज

आर्मरी में असलहों के संचालन बाबत पूंछा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूटधाम मंडल के डीआईजी अजय कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में पुलिस लाइन में भ्रमण कर वार्षिक मुआयना किया। मुआयने में क्वार्टर गारद से सलामी ली। जवानों को स्टैण्ड-टू की कार्यवाही कराकर आर का फायर पूंछा। स्टोर में भ्रमण कर कण्डम सामान देखा। सभी सामान व्यवस्थित मिला।

शुक्रवार को डीआईजी अजय कुमार सिंह ने प्रतिसार निरीक्षक को निर्देश दिये कि स्टोर में रखे दंगा नियंत्रण उपकरणों को थानों में बंटवायें।

आर्मरी का निरीक्षण कर असलहों को देखा। असलहों का रख-रखाव सही मिला। परिवहन शाखा देखकर वाहनों के उपकरण जांचे। वाहनों के मीटर देखे। मेस देखकर साप्ताहिक मेन्यू देख भोजन की गुणवत्ता जांची। प्रति जवान पर आने वाले खर्च बाबत जानकारी ली। सीपीसी कैन्टीन में भ्रमण कर सामान का रख-रखाव बेहतर मिला। कैंटीन प्रभारी से प्रति जवान के माह में कितने की खरीद्दारी करने की सीमा पूंछी। आवासीय परिसर देखकर प्रतिसार निरीक्षक को साफ-सफाई के निर्देश दिये। अर्दली रूम में अनुशासन रजिस्टर, डिफाल्टर रजिस्टर, हिन्दी आदेश पुस्तिका देखी। इस मौके पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी राजकमल, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, पीआरओ डीआईजी मिथिलेश कुमार सिंह, सीए डीआईजी महेश प्रसाद सिन्हा, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

आर्मरी जांचते डीआईजी।

एआरटीओ कार्यालय में दलालों से होते काम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सरकारी कार्यालयों में बिचैलियों व प्राइवेट कर्मियों को मुक्त कराने को डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने अभियान शुरू किया है। उन्होंने सभी विभागों के पटलों से प्रमाण मांगे हैं कि कोई प्राइवेट कर्मी काम नहीं कर रहा। एआरटीओ कार्यालय में आज भी दलालों से काम होता है।

शुक्रवार को एआरटीओ कार्यालय में दलालों का जमावडा देखने को मिला। नये एआरटीओ के आते ही कार्यालय को दलालों ने घेर लिया। एआरटीओ कार्यालय में कोई भी कार्य दलालों के बिना नहीं होता। हर फाइल में दलालों के नाम ऊपर लिखे रहते हैं। इन्हीं दलालों से एआरटीओ कार्यालय के सभी कार्य कराये जाते हैं। एआरटीओ कार्यालय में स्टाफ की भारी कमी है। ज्यादातर प्राइवेट कर्मी एआरटीओ कार्यालय में काम करते हैं। फिर भी एआरटीओ कार्यालय से प्राइवेट कर्मी के कार्य करने के प्रमाण नहीं मांगे जाते। जबकि सभी काम दलालों से कराये जाते हैं।

फाइलों के ऊपर लिखे दलालों के नाम।

लाइसेंसी बंदूक-कारतूस बरामद कर किया चोरी का खुलासा

तीन चोर दबोचे, बंदूक-कारतूस-रुपये बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एसओजी व थाना भरतकूप पुलिस ने लाइसेंसी बंदूक चोरी का खुलासा कर तीन चोरों को चोरी की लाइसेंसी बंदूक 12 बोर व कारतूस तथा 4860 रुपये समेत गिरफ्तार किया।

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 13 जुलाई को श्यामलाल पुत्र रामरतन विकास नगर मजरा भरतकूप ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि अज्ञात चोरों ने रात में घर में घुसकर लाइसेंसी बंदूक, कारतूस, 70 हजार रुपये चुरा ले गये हैं। पुलिस ने मामला दर्जकर भरतकूप व एसओजी प्रभारी को खुलासे के निर्देश दिये। शुक्रवार को सवेरे साढे पांच बजे एसओजी व भरतकूप पुलिस ने अतीक उल्ला उर्फ अब्दुल पुत्र जलील खान भीती थाना कमासिन बांदा व देव रैकवार पुत्र शम्भू रैकवार पुरानी बाजार कर्वी तथा बाल अपचारी को सभापुर बराछ से गिरफ्तार किया। जामा तलाशी से कब्जे से चोरी की लाइसेंसी बंदूक, कारतूस व 4860 रुपये बरामद किये। सख्ती से पूंछतांछ में बताया कि वे 12/13 जुलाई की रात भरतकूप में भरत मंदिर जाने वाली सड़क में एक घर से साथी थोपू उर्फ राजेश यादव के साथ चोरी की थी। 70 हजार रुपये व लाइसेंसी बन्दूक, कारतूस मय पट्टा के चोरी किया था। पकडे जाने के भय से रात में ही मोबाइल को रास्ते में बंदकर फेंक दिया था। थोपू उर्फ राजेश यादव ने 10-10 हजार रुपये व 2-2 कारतूस तथा बेंचने को बन्दूक दी थी। 40 हजार रुपये व कारतूस थोपू लेकर चला गया था। कुछ दिन पहले थोपू उर्फ राजेश किसी मामले में अदालत में हाजिर होकर जेल चला गया। बन्दूक-कारतूस बेंचने को जा रहे थे, पकडे गये। टीम में एसओजी निरीक्षक एमपी त्रिपाठी, दीवान जितेन्द्र, सिपाही रोहित सिंह, गोलू भार्गव, पवन राजपूत, राघवेन्द्र, ज्ञानेश मिश्रा, रोशन सिंह व भरतकूप थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, दरोगा राहुल पाण्डेय, सिपाही संदीप राजपूत, रणवीर सिंह व सतीश कुमार शामिल रहे।

चोरों के बारे में पत्रकारों को बताते एसपी।

तमंचा-कारतूस समेत एक दबोचा

पुलिस गिरफ्त में तमंचाधारी।

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों पर अंकुश लगाने को जारी अभियान में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में दरोगा गौरव तिवारी ने आशिफ खां पुत्र अकबर खां शिवरामपुर के कब्जे से तमंचा 315 बोर व कारतूस समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ कोतवाली कर्वी में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा गौरव तिवारी व सिपाही पवन राजपूत शामिल रहे।

सरस्वती विद्या मन्दिर की बस है कबाड

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के सरस्वती विद्या मन्दिर विद्यालय की बस इस कदर कबाड हैं कि आये दिन खराब हो जाती हैं। बसों के संचालन में बच्चों को धक्का लगाना पडता है। उमस भरी गर्मी में धक्का लगाने में बच्चे परेशान हो जाते हैं। स्कूल प्रबंधक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं करते। शुक्रवार को सरस्वती विद्या मन्दिर विद्यालय की बस में धक्का लगाते बच्चे देखे गये।

जिले में ज्यादातर स्कूलों में पुरानी बसों को रंगा-चुंगाकर लगाया गया है। ये बसें आये दिन खराब हो जाती हैं। ऐसे में बसों में बच्चों को धक्का लगाना पडता है। तब बसें चलती हैं। बच्चों के भविष्य से स्कूल प्रबंधक खिलवाड कर रहे हैं। उमस भरी गर्मी में बसों में धक्का लगाने से बच्चों की हालत खराब हो जाती है। विद्यालय प्रबंधन को इससे कोई वास्ता नहीं है।

बस में धक्का लगाते बच्चे।

तुलसी जन्म महोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

प्रतिदिन होंगे श्रीरामचरितमानस पाठ

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि में तुलसी जन्म महोत्सव मनाने को कस्बा समेत ग्रामीण अंचलों के श्रद्धालु नर- नारियों व संत-महात्माओं का हुजूम तुलसी जन्मकुटीर में सवेरे से पहुंचने लगा। शुक्रवार को तुलसी जन्म महोत्सव आयोजक ओम नमः शिवाय गौशाला वंशीवट वृन्दावन के सन्त रामदास जी महाराज ने मां कालिन्दी की विधिवत पूजा-अर्चना बाद 151 कलशों में जल भरकर सीताराम नाम संकीर्तन धुन व डीजे की गगनभेदी आवाज के बीच कस्बे के प्रमुख मार्गो से गोस्वामी तुलसीदास की जय-जयकार के बीच कलश यात्रा निकाली। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। कलश यात्रा में साधु-संत श्रीरामचरितमानस को सिर पर धारण कर चल रहे थे। नौ दिवसीय तुलसी जन्म महोत्सव मनाने को वृन्दावन के सन्त रामदास जी महाराज की अगुवाई में 151 कलशों को विशेष साज-सज्जा के साथ यमुना के तुलसी घाट में मां कालिन्दी की विधिवत पूजा-अर्चना बाद पूर्वान्ह 11 बजे कलश यात्रा निकाली। विभिन्न देवी-देवताओं की सजीव झांकियां तुलसी जन्मकुटीर से शुरू की गईं।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, तुलसी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं की सहभागिता व कस्बे के नर-नारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मानस मन्दिर रोड, सोनरहटी, गुर्रा मन्दिर रोड, मुख्य मार्ग, सब्जी मण्डी होते हुए ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में सन्त रामदास महाराज ने राम जानकी मंदिर व संकट मोचन की विधवत पूजा- अर्चना की। दोपहर बाद तुलसी जन्मकुटीर में कलश यात्रा समापन हुआ। नगर के व्यापारियों ने तुलसी जयन्ती मनाने को दुकानें बंदकर शामिल हुए। मुख्य मार्ग में जगह-जगह स्वागत द्वार लगाये थे। संत-महात्मा वाद्य यंत्रों से भजन-कीर्तन कर रहे थे। तुलसी जन्म महोत्सव के आयोजक ने बताया कि किसी भी अनुष्ठान से पहले मां कालिन्दी की पूजा कर कलश यात्रा बाद अनुष्ठान होता है। तीन से 11 अगस्त तक सवेरे सात से दस बजे व 11 से एक बजे तक श्रीरामचरितमानस नवान्ह पारायण पाठ तुलसी जन्मकुटीर में प्रतिदिन चलेगा। अपरान्ह दो बजे बाद 11 अगस्त को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। गोस्वामी तुलसीदास के जीवन चरित्र, तुलसी चरित्र की कथा व शाम सात बजे मां कालिन्दी की आरती होती रहेगी। कलश यात्रा में राजेन्द्र पाण्डेय बनारस, सतीश मिश्रा, उमेश सोनी, हरिमोहन सोनी, अशोक सोनी, चुन्नू तिवारी, वीरेन्द्र द्विवेदी, रामाश्रय त्रिपाठी, रामप्रसाद गर्ग, श्याम सुंदर मिश्रा, सूर्यप्रकाश त्रिपाठी, वीरेन्द्र जायसवाल, रामबाबू बाजपेयी, राधेश्याम सोनी, गंगाप्रसाद पाण्डेय, सुनील मिश्रा, नितेश तिवारी महेवा, नीरज तिवारी, सिंटू मिश्रा, मोनी द्विवेदी, खुशी सोनी, अंजली गुप्ता, मनीषा सेन, निहारिका द्विवेदी, पूर्वी सोनी आदि नर-नारी शामिल रहे।

कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

डीएम की पहल गांवों में लायेगी रंग, जनचौपाल से हल होंगी समस्यायें

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रामनगर ब्लाक के बसिंघा गांव के मजरा डंढ़िया के प्राथमिक विद्यालय परिसर में चैपाल में गांव की समस्या-गांव में समाधान पर ग्रामीणों से कहा कि गांव में जन चैपाल से शासन की योजनाओं का लाभ कैसे दिया जाये, सभी विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

शुक्रवार को चैपाल की अध्यक्षता करते हुए डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि अधिकारियों से मिलकर आज ही आवेदन दें, जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े। अधिकारियों को निर्देश दिये कि गांव में शासन की योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित करें। एसडीएम मऊ से कहा कि जो भूमि बाबत मामले हैं, सीमांकन व निस्तारण करायें। ग्रामीणों से कहा कि शासन की योजनायें जनता तक कैसे पहुंचें, इस पर कार्य होगा। बीडीओ रामनगर से कहा कि गांव में जनसंख्या अनुसार लोगों को देखें कि किन-किन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। किसी पात्र को पेंशन, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, भारत सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ तत्काल दिलायें। अधूरे पडे आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण करायें। जल जीवन मिशन के कार्य पूरे होने पर गांव के लोगों को हर घर जल नल योजना से लाभान्वित करें। सीडीओ ने ग्रामीणों से कहा कि जन चैपाल में अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी है। योजनाओं का लाभ न मिलने पर बतायें। महिलाओं से कहा कि छोटे बच्चों के स्वास्थ्य बाबत ध्यान दें। छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र भेजकर शिक्षा दिलायें। डीएम-सीडीओ व ब्लॉक प्रमुख ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से ममता देवी गर्भवती महिला की गोद भराई व दिव्यांश का अन्नप्राशन कराया। डीसी एनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा ने स्वयं सहायता समूह के गठन सीसीएल ग्रेडिंग रिवाल्विंग फंड सीआईएफ के बारे में महिलाओं से कहा कि योजना का लाभ लेकर रोजगार से जुड़े। डीपीआरओ इंद्र नारायण सिंह ने कहा कि राज्यवित्त/15वां वित्त, स्वच्छ शौचालय, अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालय, कॉमन सर्विस सेंटर, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में बताया। उपनिदेशक कृषि राजकुमार ने किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, बीज वितरण, उर्वरक, गोल्डन कार्ड, बैंक खाता ई-केवाईसी के बारे में जानकारी दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा ने निराश्रित महिला पेंशन, कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की जानकारी दी। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख रामनगर गंगाधर मिश्र, एसडीएम मऊ राकेश कुमार पाठक, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीसी एनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा, सीबीओ डॉ सुभाष चंद्र, पीडी डीआरडीए, बीडीओ रामनगर ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे। जन चैपाल बाद डीएम आदि अधिकारियों ने पौधरोपण किया।

जन चैपाल में बोलते डीएम।

जल्द गांवों को दें पानीः डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व सीडीओ अमृतपाल कौर ने रामनगर ब्लाक के नोनमई गांव में जल जीवन मिशन से ओवरहेड टैंक निर्माण का निरीक्षण किया। एक्सईएन जल निगम एके भारती ने बताया कि सीडब्ल्यूआर रामनगर में बना है। ओवरहेड टैंक से चार गांव में पेयजल आपूर्ति होगी। नोनमई, खजुरिया खुर्द, चहटा व डंढ़िया हैं। पाइपलाइन का कार्य पूरा हो गया है। जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था एलएनटी को कडे निर्देश दिये कि 15 दिन में ओवरहेड टैंक के अधूरे कार्य पूरा करायें। गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके। इसमें लापरवाही बर्दास्त नहीं होगी।

नेपाल : सीआईबी प्रमुख के खिलाफ सरकार ने दिए जांच के आदेश

काठमांडू। नेपाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही पिछली प्रचण्ड सरकार से निकट रहे अधिकारियों पर गाज गिरना शुरू हो गया है। पूर्व प्रधानमंत्री के निकट रहे सरकार और पुलिस के आला अधिकारियों का या तो स्थानांतरण किया जा रहा है या फिर उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं।

ताजा मामला केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रमुख पुलिस के अतिरिक्त महानिरीक्षक (एआईजी) श्यामलाल ज्ञवाली से जुडा है। गृह मंत्रालय ने ज्ञवाली के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने, हाई प्रोफाइल मामलों को अनुचित लेन देन के जरिए केस को दबाने, राजनीतिक संरक्षण में तत्कालीन विरोधी दल के नेताओं को परेशान करने के मामले में जांच शुरू कर दी है।

नेपाल पुलिस प्रमुख पुलिस महानिरीक्षक वसन्त कुंवर ने अपने एआईजी श्यामलाल ज्ञवाली के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि एआईजी ज्ञवाली के द्वारा सीआईबी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने के फौरन बाद ही उनके खिलाफ लगातार कई लिखित शिकायतें आई है। उसी के आधार पर इंक्वायरी हो रही है।

पुलिस के कुछ उच्च अधिकारियों का तो यहां तक कहना था कि पिछली प्रचण्ड सरकार ने ज्ञवाली का प्रयोग कर वर्तमान पुलिस प्रमुख को किसी आरोप में फंसाने की भी साजिश की गई थी। उनका दावा है कि आईजीपी कुंवर को पद से हटा कर ज्ञवाली खुद आईजीपी बनना चाहते थे।

एआईजी ज्ञवाली के खिलाफ जांच के लिए जो विभागीय टीम गठित की गई है उसमें उनके ही बैच के पुलिस अधिकारी टेक बहादुर राई को यह जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस प्रवक्ता डीआईजी दान बहादुर कार्की ने बताया कि एआईजी राई के नेतृत्व में बनी जांच कमिटी में क्राईम ब्रांच काठमांडू के एसएसपी नवीन राई, एसपी प्रकाश मल्ल, लीगल सेल के डीएसपी रूक बहादुर खड्का और डीएसपी मुकेश तिवारी को रखा गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक एआईजी श्यामलाल ज्ञवाली पर अरबपति व्यवसायी तथा नेपाली कांग्रेस के सांसद विनोद चौधरी के बांसबारी जमीन मामले में लेनदेन कर मामले को दबाने, सरकारी बाल संगठन के जमीन मामले में दूसरे बडे व्यवसायी विशाल ग्रुप के साथ लेनदेन करने, सेंचुरी बैंक के अध्यक्ष और अन्य को गिरफ्तार कर उनके साथ वसूली करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा एक क्विंटल सोने की तस्करी के मामले में फरार एक आरोपी ने ज्ञवाली के द्वारा अपना नाम केस से हटाने के लिए दो करोड रूपए मांगने का ऑडियो ही सार्वजनिक किया था। उनकी संपत्ति की जांच करने का भी आदेश दिया गया है।

ज्ञवाली ही वो अधिकारी हैं, जिनको पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने ने सीआईबी का प्रमुख बना कर भूटानी शरणार्थी मामले में नेपाली कांग्रेस के नेता तथा पूर्व गृहमंत्री बालकृष्ण खांड, पूर्व गृहमंत्री तथा एमाले के नेता राम बहादुर थापा बादल के बेटे प्रतीक थापा, पूर्व गृहमंत्री तथा एमाले के नेता टोप बहादुर रायमांझी, पूर्व स्पीकर एवं गृहमंत्री तथा माओवादी के नेता कृष्ण बहादुर महरा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद ज्ञवाली ने नेपाली कांग्रेस की नेता तथा वर्तमान में विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा की भी गिरफ्तारी की तैयारी कर ली थी।

अमेरिका और रूस के बीच कैदियों की ऐतिहासिक अदला-बदली
अमेरिका और रूस के बीच कैदियों की एक बड़ी अदला-बदली पूरी हो गई है. इसके तहत 7 देशों से 24 लोगों को रिहा किया गया है. सोवियत संघ के बाद के दौर की कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली में जर्मनी की अहम भूमिका रही है

अमेरिका और रूस के बीच कैदियों की ऐतिहासिक अदला-बदली

अमेरिका और रूस के बीच कैदियों की एक बड़ी अदला-बदली पूरी हो गई है. इसके तहत 7 देशों से 24 लोगों को रिहा किया गया है. सोवियत संघ के बाद के दौर की कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली में जर्मनी की अहम भूमिका रही है.

रिहा होने वालों में शामिल अमेरिकी-रूसी पत्रकार इवान गेर्शकोविच, उनके साथी पॉल व्हेलान और पुतिन विरोधी व्लादिमीर कारा मुर्जा भी हैं. ये लोग गुरुवार को मध्यरात्रि से पहले अमेरिका पहुंचे. वहां उनका स्वागत करने के लिए खुद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस मौजूद थे. कई देशों के बीच हुए करार के बाद करीब दो दर्जन लोग आजाद हुए हैं.

कैदियों की अदला-बदली ऐसे समय में हुई है जब रूस और अमेरिका के रिश्ते शीत युद्ध के बाद सबसे खराब दौर में हैं. पर्दे के पीछे बातचीत कर रहे मध्यस्थ तब से इस कोशिश में जुटे थे, जब ऐलेक्सी नावाल्नी को भी छुड़ाया जाना था. हालांकि फरवरी में नावाल्नी की मौतके बाद 24 लोगों के लिए यह समझौता मुमकिन हो सका है. इसके लिए यूरोपीय देशों को भी रजामंद करना एक मुश्किल काम था. रिहा हुए कैदियों में एक रूसी हत्यारे समेत पत्रकार, संदिग्ध जासूस, राजनीतिक कैदी और दूसरे लोग शामिल हैं.

अमेरिका की कूटनीतिक जीत

बाइडेन इस अदला-बदली का श्रेय लेते हुए इसे कूटनीतिक जीत बता रहे हैं. हालांकि इसमें कुछ असंतुलन भी दिख रहा है. अमेरिका और उसके सहयोगियों ने जिन कैदियों को रिहा किया है वे गंभीर अपराधों के दोषी या फिर आरोपी हैं. जबकि रूस की कैद से छूटे लोगों में पत्रकार, विद्रोही कार्यकर्ता और ऐसे कैदी हैं जिन्हें देश में राजनीतिक वजहों से कैद में लिया गया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मछिन्द्रनाथ यात्रा के मद्देनजर राजधानी काठमांडू में रविवार को अवकाश की घोषणा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रविवार को मछिन्द्रनाथ यात्रा के मद्देनजर राजधानी काठमांडू में अवकाश की घोषणा की है। रविवार को भोटो यात्रा करने के बाद मछिन्द्रनाथ को रथ से उतारकर सम्मान के साथ बुंगमती ले जाया जाएगा। इस भोटो यात्रा में नागलोक से प्राप्त रत्नों, माणिकों आदि से जड़ित प्राचीन भोटो को दिखाने की परम्परा है। राजतंत्र के समय इस तरह के सांस्कृतिक यात्रा में राजा की सहभागिता होती थी लेकिन आजकल राष्ट्रपति इस प्राचीन परम्परा का निर्वहन करते हैं।

काठमांडू में 'रातो मछिन्द्रनाथ रथ यात्रा' में लाखों लोगों लोगों की सहभागिता रही। ललितपुर के पाटन से जावलाखेल तक हुए इस रथयात्रा को बाजे गाजे और पारंपरिक नृत्य सहित लाखों लोगों की सहभागिता में भव्य तरीके से पूरा किया गया। परंपरा के अनुसार जब सूर्य दक्षिणायन होता है तो रातो मछिन्द्रनाथ के रथ को 6 महीने के लिए पाटन से बुंगमती में रखा जाता है। जब सूर्य उत्तरायण होता है तो 6 महीने के लिए इसे पाटन में रखने की परम्परा है। उसी परंपरा के तहत इस बार पाटन से रथ खींचकर जवालाखेल लाया गया है, जहां से इसको बुंगमती तक ले जाया जाएगा। इस मछिन्द्रनाथ रथ यात्रा में ललितपुर की जीवित देवी कुमारी और ललितपुर के 17वीं शताब्दी के राजा सिद्धिनार सिंह मल्ल की ऐतिहासिक खड्ग को भी राजकीय सम्मान के साथ समारोह स्थल पर लाया गया।

नेपाल की जीवित देवी कुमारी को इसी तरह के सांस्कृतिक समारोह के दौरान ही बाहर आम लोगों के दर्शन के लिए बाहर लाया जाता है।

नेपाल में चीनी राजदूत को चेतावनी, संसदीय समिति ने कहा- हदें पार ना करें

काठमांडू। नेपाल में चीन के राजदूत आए दिन अपने बयान और सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट को लेकर विवादों में घिरे रहते हैं। ताजा मामला पिछले महीने नेपाल में हुई बस दुर्घटना को लेकर उनके असंवेदनशील बयान का है, जिसकी वजह से उनकी कड़ी आलोचना हो रही है।

नदी में गिरी बसों को खोजने के लिए नेपाल और भारत की एनडीआरएफ की टीम ने 20 किलो का चुंबक डाला था, जो खो गया था। इस संबंध में आई खबर को ट्वीट करते हुए नेपाल में चीन के राजदूत छंग सोन ने लिखा 'पहले चुंबक ढूंढ लो, बस बाद में ढूंढना।' चीनी राजदूत के इस ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए दुख की घड़ी में ऐसे असंवेदनशील ट्वीट के लिए उन्हें माफी मांगने कहा लेकिन चीनी राजदूत ने अब तक माफी नहीं मांगी, बल्कि अपने बचाव में दलील देते रहे।

अब इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। चीनी राजदूत की इस हरकत को सांसदों ने सदन में उठाया तो अन्तरराष्ट्रीय संबंध की संसदीय समिति ने चीनी राजदूत को चेतावनी दी है। प्रतिनिधि सभा में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ही दल के सांसदों ने चीनी राजदूत की कड़े शब्दों में आलोचना की है। नेपाली कांग्रेस के सांसद रामहरि खतिवडा ने कहा कि 65 लोगों की मौत पर मजाक उड़ाने वाले चीनी राजदूत की जितनी आलोचना की जाए उतना कम है। उन्होंने कहा कि विदेशी राजदूतों को अपने हद में रह कर कोई अभिव्यक्ति देनी चाहिए।

इसी तरह प्रतिपक्ष में रहे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि असंवेदनशील राजदूत को तत्काल बुलाकर उन्हें हिदायत देनी चाहिए। सांसद खनाल ने विदेश मंत्री से मांग की है कि नेपाल में हुए दर्दनाक हादसे के बाद राहत तथा बचाव कार्य में जुटी टीम के काम का मजाक बनाना और इस तरह के घटिया बयान पर उन्हें सम्मन भेज कर स्पष्टीकरण लेना चाहिए।

चीनी राजदूत के इस असंवेदनशील ट्वीट को लेकर अन्तरराष्ट्रीय संबंध संसदीय समिति के अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने कहा कि चीनी राजदूत को इस तरह से मौत पर मजाक करने का बिलकुल अधिकार नहीं है। उन्होंने समिति की बैठक में कहा कि चीनी राजदूत को अपनी बोली पर लगाम लगाना चाहिए।

दुर्घटनाग्रस्त सौर्य एयरलाइंस के एकमात्र जीवित विमान का पायलट अस्पताल से डिस्चार्ज

काठमांडू। त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर 24 जुलाई को सौर्य एयरलाइंस के दुर्घटनाग्रस्त विमान में जिन्दा बचे एक मात्र व्यक्ति विमान के पायलट को शुक्रवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन के बाद पायलट कैप्टन मनीष शाक्य का काठमांडू मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जा रहा था, जहां उनके स्वास्थ्य में थोड़ी सुधार होने के बाद अस्पताल प्रशासन ने उन्हें डिस्चार्ज करने का फैसला लिया।

काठमांडू मेडिकल कॉलेज के चेयरपर्सन डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि उनके इलाज में रहे चिकित्सकों के सलाह पर उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। रीढ़ की हड्डी में हुए सफल ऑपरेशन के बाद पायलट मनीष शाक्य के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आने और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के अलावा कोई अंदरूनी घाव या जख्म नहीं होने से उन्हें डिस्चार्ज किए जाने की बात डॉ. शर्मा ने कही है।

केएमसी की मेडिकल डाइरेक्टर डॉ. मीना थापा ने बताया कि दुर्घटना के बाद अस्पताल लाए गए कैप्टन शाक्य की आंख, नाक में भी चोटें आई थी लेकिन दवा से ही वह ठीक हो गया। उन्होंने बताया कि रीढ़ की हड्डी में थोड़ा फ्रैक्चर हुआ था, जिसे ऑपरेशन के बाद ठीक कर दिया गया है। डॉ. थापा ने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें फिजियोथैरापी कराने की सलाह भी दी है।

नेपाल : ओली कैबिनेट में तीन राज्य मंत्रियों की नियुक्ति

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने कैबिनेट में तीन राज्य मंत्रियों को शामिल किया है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 25 हो गई है।

राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर तीन नए राज्य मंत्रियों की नियुक्ति की है। आज ही राष्ट्रपति भवन में इन तीनों राज्यमंत्रियों का शपथग्रहण भी होने वाला है। राष्ट्रपति भवन से जारी सूचना के मुताबिक आज नियुक्त होने वाले राज्य मंत्रियों अरुण कुमार चौधरी, रूपा विश्वकर्मा और पूर्ण बहादुर तामांग शामिल हैं।

इनमें चौधरी को पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया है जबकि रूपा विश्वकर्मा को वन तथा वातावरण मंत्रालय व तामांग को ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में मौका मिला है। इनमें विश्वकर्मा व तामांग नेपाली कांग्रेस से हैं जबकि अरुण चौधरी नागरिक उन्मुक्ति पार्टी से सांसद हैं।

इजराइल ने हमास के सैन्य प्रमुख दैफ को गाजा में किया ढेर, फलस्तीन को दो दिन में दूसरा बड़ा झटका

यरुशलम। इजराइल एक के बाद एक हमास पर हमले कर कमर तोड़ने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में इजराइल ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गाजा पट्टी में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख 59 वर्षीय मुहम्मद दैफ के मारे जाने का दावा किया है। इससे पहले ईरान की राजधानी तेहरान में मिसाइल से हमला कर हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया को मार दिया था।

मुहम्मद दैफ ने ही याह्या सिनवार के साथ मिलकर इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 के हमले की साजिश रची थी और उसे अंजाम देने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उस हमले में 1,200 इजरायली मारे गए थे और उसके बाद इजराइल ने गाजा में युद्ध का एलान किया था। इस युद्ध में अभी तक करीब 40 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

इजराइली सेना ने बताया कि दैफ को गाजा के खान यूनिस शहर में 13 जुलाई को हवाई हमले में मारा गया। बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की मिसाइल हमले में मौत हुई थी। इजरायल ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन शक उसी पर है।

मुहम्मद दैफ के मारे जाने पर हमास ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। दैफ ही हमास का वह कमांडर था, जिसकी देखरेख में बीते 30 वर्षों में गाजा पट्टी में भूमिगत सुरंगों का जाल तैयार किया गया और लड़ाकों को घातक बम बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

इजराइली नागरिकों और सैनिकों पर हमले की कई घटनाओं के लिए इजराइल को दशकों से मुहम्मद दैफ की तलाश थी। वह दशकों से इजराइल की हिट लिस्ट में था। दैफ को कई बार मारने की कोशिश हुई लेकिन वह हमेशा बच निकलता था।

इजराइली सेना ने कहा कि दैफ के मारे जाने की जब पुष्टि हो गई है तब सूचना को सार्वजनिक किया जा रहा है। गाजा के दूसरे बड़े शहर खान यूनिस में हुए 13 जुलाई को हुए हवाई हमले में 90 से ज्यादा लोग मारे गए थे उनमें मुहम्मद दैफ भी शामिल था।

दैफ का पूरा नाम मुहम्मद दियाब अल-मासरी था और वह गाजा के एक शरणार्थी शिविर में पैदा हुआ था, लेकिन हमास का सदस्य बनने के बाद उसके जीवन का ज्यादा समय सुरंगों में बीता था।

हानिया की मौत से एक दिन पहले मंगलवार को इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला के सीनियर कमांडर फुआद शुकर को मारा था। बुधवार को हिजबुल्ला के एक अन्य सीनियर कमांडर अबू निमाह नासेर के मारे जाने की चर्चा है। ईरान समर्थित हिजबुल्ला हमास के समर्थन में आठ अक्टूबर, 2023 से इजरायल पर हमले कर रहा है।

वित्त मंत्री 10 अगस्त को आरबीआई निदेशक मंडल को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली। केंद्रीय वित?त मंत्री निर्मला सीतामरण आगामी 10 अगस्त को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी। इस दौरान वह वित्त वर्ष 2024-25 के बजट से जुड़े अहम बिंदुओं पर रोशनी डालेंगी।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय बजट पेश होने के बाद होने वाली यह बैठक 10 अगस्त को निर्धारित की गई है। बैठक में वित्त मंत्री रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल में शामिल सदस्यों को संबोधित करेंगी।

हिजबुल्लाह ने दागे रॉकेट, इजराइल ने दिया तगड़ा जवाब, लॉन्चर को किया तबाह

बेरूत। हिजबुल्लाह ने अपने शीर्ष कमांडर फुआद शुकर के मारे जाने के बाद गुरुवार देररात (स्थानीय समय) इजराइल पर दर्जनों रॉकेट दागे। कहा जा रहा है कि हालांकि, केवल पांच रॉकेट ही इजराइल में प्रवेश कर पाए। इजराइल के रक्षा बलों के अनुसार, रॉकेट हमलों में किसी तरह के नुकसान या किसी नागरिक के घायल होने की सूचना नहीं है। इजराइली रक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए दक्षिणी लेबनान के येटर में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया है।

उल्लेखनीय है कि इजराइल के गोलान हाइट्स में फुटबॉल मैदान पर 27 जुलाई को हिजबुल्लाह के हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इसका बदला लेते हुए इजराइल ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर फुआद को बेरूत में मार गिराया। फुआद के मारे जाने के बाद हिजबुल्ला और इजराइल के बीच तनाव बढ़ गया है। फुआद की मौत के 48 घंटे बाद हिजबुल्लाह ने इजराइल के पश्चिमी गैलिली पर रॉकेट हमले किए। साथ ही इसकी जिम्मेदारी भी ली है। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि

उसने पहले लेबनान के चामा गांव में इजराइली हमले के जवाब में मेत्जुबा के उत्तरी सीमा समुदाय पर दर्जनों रॉकेट दागे। चामा में कथित तौर पर चार सीरियाई मारे गए और कई लेबनानी नागरिक घायल हो गए। इजराइली रक्षा बलों ने कहा है कि जवाब में लेबनान के येटर में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया गया। इसका इस्तेमाल पश्चिमी गैलिली पर बमबारी के लिए किया जा रहा था। इस रॉकेट लॉन्चर को तबाह कर दिया गया।

इजराइल के रक्षा बलों ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिमी गैलिली क्षेत्र में सक्रिय किए गए अलर्ट के बाद, लेबनान से आए कई रॉकेटों का पता चलने के बाद कुछ को हवा में ही नेस्तनाबूद कर दिया गया। कुछ खुले क्षेत्रों में गिरे। इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। इजराइल ने यह भी कहा है कि 13 जुलाई को दक्षिणी गाजा पट्टी में हवाई हमले में हमास के सैन्य विंग कमांडर मोहम्मद डेफ की मौत हो गई। तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के एक दिन बाद इजराइल ने इसकी पुष्टि की है।